रांची, मंगलवार, 10 सितंबर 2024
संवत 2081, भाद्रपद शुक्ल 7 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-8, अंक 06 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 जीवन का वरन करें
करीना कपूर की द बकिंघम मर्डस सिनेमाघर में देखने लायक हैं फिल्म 6

महिला सशक्तिकरण को दिया जा रहा नया आयाम

अब तक 2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज से जोड़ा गया

रांची

ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजनरी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में सखी मंडल की दीदी-बहनों को मिला। यही नहीं, सखी मंडल की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2019 तक स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट लिंकेज के तहत ₹1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक ₹10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को सशक्तिकरण हेतु दी गई। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गई।

मुख्यमंत्री ने पश्चिमी सिंहभूम में कार्यक्रम के दौरान सखी मंडल को 30 करोड़ रुपये से अधिक का बैंक लिंकेज से जोड़ा

आजीविका से जोड़ने का क्रम जारी

ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए राज्य के 26 लाख परिवारों को आजीविका के सशक्त माध्यमों से जोड़ा गया है। कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित जोहार परियोजना के तहत 17 जिलों के 68 प्रखण्डों के 3,816 गांव में 3,900 उत्पादक समूह एवं 21 उत्पादक कंपनियों का गठन एवं संचालन हुआ। जिसके तहत राज्य के करीब 2.25 लाख परिवारों की आय में बढ़ोतरी हुई।

वनोत्पाद से मिल रहा लाभ

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के जरिए भी राज्य के 2.09 लाख परिवारों को लाह, रेशम, औषधीय पौधे की खेती, ईमली, कृषि एवं पशुपालन से जोड़ा गया है। राज्य संपोषित झारखण्ड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 14,246 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला-पुरुष किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

तकनीक में निपुण हो रहीं महिलाएं

राज्य में बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी, पशु सखी, कृषि सखी, वनोपज मित्र, आजीविका रेशम मित्र, सीआरपी समेत, करीब 80,000 सामुदायिक कैडर को प्रशिक्षित कर परियोजना के क्रियान्वयन एवं विस्तारण में लगाया है। आधुनिक संचार तकनीक से इन महिलाओं का क्षमता वर्धन किया गया है।

2019 से पूर्व सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में दिया गया

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY)

रश्मि बुडेली, चाईबासा
झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जो पैसा मुझे मिल रहा है, उसका उपयोग मैं अपनी पढ़ाई में करूंगी। झारखण्ड सरकार को धन्यवाद, उन्होंने हमें इस योजना से जोड़ा।
हेमन्त दादा को धन्यवाद और जोहार

दिव्या तिवारी, विश्रामपुर, पलामू
रक्षा बंधन पर हेमन्त भैया ने हमें उपहार दिया है। हर साल ₹12,000 प्राप्त होगा। हेमन्त भैया का आभार। यह पैसा मेरी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करेगा।
हेमन्त भैया को धन्यवाद

रमिता रंजन, नावाडीह, चतरा
योजना से जो पैसा मिला है और आगे जो पैसा मिलेगा, उसे अपने बच्चों की पढ़ाई में खर्च करूंगी। मेरे खाते में ₹1,000 आया है, हर साल मुझे ₹12,000 मिलेगा।
सीएम हेमन्त जी को आभार

चांदनी देवी, पाकुड़
26 अगस्त को मेरे बैंक अकाउंट में योजना का पैसा आ गया था। इस पैसे का उपयोग मैंने अपने छोटे-मोटे कार्यों में किया है। योजना में हमलोग को साल का ₹12,000 मिलेगा। महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छी योजना है।
हेमन्त सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद

अबुआ आभार हेमन्त सरकार

मैं प्रकाश कुमार मंडल,
धनबाद जिले का निवासी हूं। मेरा चयन पाइपलाइन इंस्पेक्टर (नगर विकास एवं आवास विभाग) में हुआ है। मैं खुश हूं, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी के प्रयास से हम लोगों को समय पर नियुक्ति पत्र मिल गया। अब मैं झारखण्ड के विकास में अपना योगदान दूंगा।
मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत आभार...

नियुक्ति नियमावलियों की अड़चनों को दूर कर **हजारों की संख्या में गरीब परिवार के युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई।**

निजी क्षेत्र में भी हजारों की संख्या में स्थानीय युवाओं को ऑफर लेटर मिला। वर्तमान में **हजारों सरकारी नियुक्तियां प्रक्रिया में है।**

मैं अंकिता कुजूर,
झारखण्ड की निवासी हूं। मेरा चयन जूनियर इंजीनियर (यांत्रिक) के लिए हुआ है। मैं खुश हूं, मुख्यमंत्री जी ने जो वादा किया था, वह ससमय पूरा किया। हमें इंतजार का अच्छा परिणाम मिला और हम सरकार के अंग बनें।
मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत आभार...

महिलाओं के बड़े वर्ग को प्रभावित करेगा योजना

सुमन देवी, बोकारो ने कहा कि झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जुड़कर खुशी हो रही है। बच्चों की पढ़ाई में होने वाले खर्च में सरकार द्वारा दिए जा रहे इस राशि का उपयोग करूंगी। सुमन देवी ने कहा कि सरकार का यह प्रयास सराहनीय है। जरूरतमंद महिलाओं को झारखण्ड सरकार कई योजनाओं का लाभ दे रही है, लेकिन यह योजना, महिलाओं के बहुत बड़े समूह को प्रभावित करेगी।
जहां मैं रहती हूं, वहां की लगभग सभी महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला है। रोजमर्रा की जरूरत को पूरा करने में यह राशि हम जैसी अन्य महिलाओं को काफी मदद करने वाली साबित होगी। जिससे बड़ी संख्या में महिलाओ को योजना का लाभ मिल सकेगा।
सुमन देवी ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई में हर माह पैसे खर्च होते हैं, अब ₹1,000 की राशि जो झारखण्ड सरकार हम लोगों को दे रही है उससे हर माह होने वाले खर्च को हम लोग संतुलित कर पाएंगे और जीवन अच्छे से गुजर सकेगा। सुमन देवी ने बताया कि इस योजना के संबंध में उसने अपने परिचितों को भी जानकारी दी है और वे भी इस योजना का लाभ ले चुकी हैं। सभी के बैंक खाता में ₹1,000 आ गया है।
बोकारो जिला में जगह जगह शिविर लगाकर हम महिलाओं को योजना से जोड़ा गया है। सरकार ने महिलाओं को आवेदन जमा करने और उसे भरने में काफी मदद की है। सुमन देवी ने कहा कि घर-घर प्रखण्ड कार्यालय से लोग योजना का आवेदन देकर गए थे। आवेदन जमा करने के 10 दिनों के अन्दर पैसा आ गया। योजना को लेकर जितना कहा जाए, वह कम है। एक बार फिर झारखण्ड सरकार को आभार। और विशेषकर सीएम हेमन्त भैय्या को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं।

मैं बारहवीं कक्षा की छात्रा हूं। मुझे दो-दो बार - ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से ₹5-5 हजार का लाभ मिला है। हेमन्त दादा को धन्यवाद, जोहार!
सुशांति कुजूर, लोहरदगा

हम सभी कृतज्ञ हैं ...

खूंटी की स्नेहा कुमारी खुश है। उसे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित किया गया है। स्नेहा कहती है कि राज्य सरकार से जो उसे सम्मान राशि प्राप्त हो रही है, वह उसके आने वाले कल में सहायक होगी। वह इस राशि को अपनी शिक्षा में व्यय करेगी। उसने बताया कि उसकी कई सहेलियों को भी इस योजना का लाभ मिला है और वे सभी सरकार की इस योजना का स्वागत करती हैं। हेमन्त सरकार ने जो सम्मान दिया है, इसके लिए हम सभी कृतज्ञ हैं। राज्य के मुख्यमंत्री के प्रयास से यह संभव हो पाया और हम जैसी लड़कियों को योजना का लाभ मिलने लगा है। स्नेहा ने बताया कि उसके खाते में ₹1,000 की राशि आ गई है ऐसे ही उसके जानने वालों के खाते में भी राशि आई है।
मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उसने कहा कि इस तरह की अन्य योजनाएं भी महिलाओं को सशक्त कर रही हैं। खूंटी जिले में सखी मंडल के जरिए भी महिलाएं अपनी आजीविका के मार्ग को प्रशस्त कर रहीं हैं। खेती से लेकर बैंकिंग तक में खूंटी की महिलाओ की भूमिका देखी जा रही है, मुख्यमंत्री का यह प्रयास सराहनीय है।
स्नेहा ने बताया वह अन्य महिलाओं और अपनी सहेलियों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करेगी।

महिलाएं बनेंगी सशक्त...

चाईबासा प्रखंड की रहने वाली आशा रानी पूर्ति ने जब झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संबंध में जाना तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं था। सुदूर गांव में रहने के कारण उसे ऑनलाइन आवेदन जमा करने में जब परेशानी हुई तो वह निराश हो गई, लेकिन दूसरे ही दिन मुख्यमंत्री ने जब ऑफ लाइन आवेदन लेने का आदेश दिया तो रानी पूर्ति का चेहरा खिल गया। रानी ने बताया कि इसके बाद उसने सीधे पंचायत भवन जाकर अपना आवेदन जमा कर दिया।

इससे मिलने वाले राशि का प्रयोग बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खुद के जीवन को सशक्त करने में संबल प्रदान करेगी।

रानी ने कहा कुछ ही दिन गुजरे थे कि उसे झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत ₹1,000 की सम्मान राशि बैंक खाते पर प्राप्त हुई है। वह बताती है, कहने को तो सरकार की सभी योजनाएं लोगों के रहन-सहन में बदलाव लाने के लिए चलाई जाती है, परंतु राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने की सोच के तहत चलाई गई यह योजना काफी सार्थक है। इससे मिलने वाली राशि का प्रयोग बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खुद के जीवन को सशक्त करने में संबल प्रदान करेगी। राज्य के मुख्यमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद और जोहार करती हूं यह योजना राज्य के सभी महिला को सशक्त बनाने में काफी उपयोगी सिद्ध होगी। हम सभी को हर वर्ष ₹12,000 की राशि प्राप्त होगी।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
PR 335209(IPRD)24-25

न्यूज ब्रीफ

प्रशिक्षण के बाद स्वयं का करे रोजगारः सुदेश महतो

मुरी : श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 30 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुदेश कुमार महतो, पूर्व उपमुख्य मंत्री झारखंड सह सिल्ली विधायक, अनुराग श्याम अंबास्ता डिविजनल मैनेजर केनरा बैंक सर्कल ऑफिस रांची, रुडसेट संस्थान के दिनेशक संजीत कुमार उपस्थित हुए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन प्रखंड से आए महिलाओं ने भाग लिया। अथिति सुदेश कुमार महतो ने यह संदेश दिया की आप सभी लोग प्रशिक्षण के बाद अपना स्वयं का ब्यूटी पार्लर खोलें । आज के दौर में ब्यूटी पार्लर की बहुत मांग है । हर कोई सुंदर दिखना चाहता है। मेहनत और इमानदारी से अपना कार्य करे और लोगो को स्वरोजगार से जोड़ने और आगे बढ़ाने में सहायता करे। डिविशनल मैनेजर अनुराग श्याम अंबष्ठ ने बैंक से जुड़ी सारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी और लोन लेकर स्वरोजगार को आगे बढ़ाने की बात कही। रुसमेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने संस्थान के कार्यकलाप को बताया और बेहतर करने की बात कही। मंच का संचालन मौके पर वरिष्ट संकाय अनिल कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ संकाय जगदीश चंद्र महतो ने किया। मौके पर, अष्टमी सिंह, मेघा रोया, दशरथ महतो,महेश रुहिदास , सुनील मुंडा उपस्थिति रहे।

पीसीसी पथ के निर्माण में खुल्लेआम की जा रही है नियमों की अनदेखी

सिल्लीः प्रखंड अंतर्गत गम्हार टिकरा में जिला योजना अनाबद्ध निधि से निर्मित 1000 फीट पीसीसी पथ के निर्माण में खुल्लेआम नियमों की अनदेखी की जा रही है। ठेकेदार और विभाग की मिलीभगत से पथ की लागत राशि को लूटा जा रहा है। पीसीसी पथ निर्माण में पास के ही जंगल का अवैध उत्खनन बेसाइज पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीण कहते है सिल्ली में विकास योजनाओं में लूट कोई नयी बात नही है यहां हरेक योजना में एक राजनीतिक पार्टी के छूट भैया नेता हावी है जो ग्रामीणों को डरा धमका कर रखा है। छूट भैया नेता ग्रामीणों को कहते है विकास योजनाओं में खर्च की जाने वाली राशि जनता का नही उसकी पार्टी की राशि है। निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जाने का विरोध करने पर मिलने वाले हर सरकारी योजनाओं का लाभ से नाम कटवा देने आदि तरह तरह का धमकी देते है। पीसीसी पथ निर्माण स्थल पर लगे शिलान्यास पट्ट के अनुसार उक्त पीसीसी पथ का शिलान्यास स्थानीय विधायक व सांसद ने किया है।

रांची से लापता नाबालिग लखनऊ में मिली ट्रक चालक ने किया दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

रांचीः पिछले महीने लापता हुई रांची की 13 वर्षीय लड़की को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से बचाया गया। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। रविवार को मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। लड़की के परिवारवालों ने बताया कि वह 16 अगस्त को स्कूल से अपने घर वापस नहीं लौटी थी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

लड़की ने बताया कि 16 अगस्त को एक युवक उसे बुंडू बस स्टैंड ले गया था, वहां से एक दूसरा युवक उसे पटना ले गया। तमाड़ थाना प्रभारी रौशन कुमार ने बताया कि लड़की को पटना में एक ट्रक में बैठाने के बाद युवक गायब हो गया। ट्रक चालक ने लड़की से दुष्कर्म किया और उसे लखनऊ में छोड़ दिया। उन्होंने आगे कहा, हमने रविवार को दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता के बयान में कई कड़ियां गायब हैं। हम इन कड़ियों को एक-एक कर जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पॉक्सो एक्ट के अलावा दुष्कर्म और मानव तस्करी की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। हम एफआईआर में पीड़िता के दावों की जांच में जुटे हैं। बाल अधिकार कार्यकर्ता बैद्यनाथ कुमार ने दावा किया कि लड़की को पटना में एक ट्रक चालक को बेच दिया गया था। उन्होंने कहा कि लड़की लोकल पुलिस को 20 अगस्त को मिली थी। उन्होंने बिना एफआईआर दर्ज किए लड़की को लखनऊ में राजकीय बालिका गृह के हवाले कर दिया।

राम मंदिर में हुई बैठक में शारदीय नवरात्र धूमधाम से मनाने का निर्णय

रांचीः आज मंगलवार को चुटिया स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में राम मंदिर के उत्तराधिकारी गोकुल दास महाराज की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि इस वर्ष शारदीय नवरात्र में ऐतिहासिक 351 कुंवारी कन्याओं द्वारा होने वाला राम चरित्र मानस का सस्वर पाठ राम मंदिर के महंत सनातन दास के सानिध्य में कराया जायेगा। बैठक में शारदीय नवरात्र धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया।

इस बैठक में मुख्य रूप से कैलाश केशरी,रानू चौबे,ललन चौधरी, धंजु नायक, अनिल सिंह, छत्रधारी महतो,रतनलाल, विजय बड़ाईक,रवि सिंह, गुजा तिर्की, काया नायक, राधेश्याम केशरी ,कृष्ण सहाय, सुनील सहाय, कृष्ण साहु,विरू साहु,मैनु नायक, राम नायक, विक्की नायक, रिकी राज,शेखर वर्मा,विरेन्द्र सिंह, अमित शाह,रवि सिंह तथा कई साधु संत शमिल हुए।

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कहा-

राजनीतिक गिद्ध झारखंड में मंडरा रह हैं इनसे रहें सावधान

मेट्रो रेज

गिरिडीहः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जल्द ही झारखंड में विधानसभा चुनाव की घंटी बजने वाली है। उससे पहले ही राज्य में राजनीतिक गिद्ध मंडराने लगे हैं। कोई असम से आ रहा है, तो कोई मध्य प्रदेश से आ रहा है। अभी छोटे-छोटे गिद्ध आ रहे हैं, लेकिन कुछ दिन बाद बड़े-बड़े गिद्ध झारखंड में नजर आएंगे। ये लोग आपके बीच जूठा खाना परोसेंगे, झूठे आश्वासन देंगे और आपको दिग्भ्रमित करेंगे। कोई जाति के नाम पर, कोई धर्म के नाम पर, कोई अगड़ा-पिछड़ा के नाम पर बरगला कर आपसे वोट मांगेगा। इसलिए आपलोग सावधान रहिएगा। सीएम ने उक्त बातें गिरिडीह के गांडेय में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके निशाने पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा थे। समारोह में सीएम हेमंत सोरेन ने गिरिडीह व धनबाद जिले को 465।14 करोड़ रुपए की सौगात दी। 310 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया और दोनों जिलों के 13।06 लाख

लाभुकों के बीच 639।16 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया।

हेमंत सोरेन ने कहा कि पूर्व की सरकार ने यहां के अधिकतर योग्य लोगों को पेंशन योजना से वंचित रखा। पहले गांव के कुछ चुनिंदा बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवा माता-बहनों को ही पेंशन मिलती थी, लेकिन अब आपकी सरकार ने ऐसा कानून बना दिया कि अब गांव में जितने भी वृद्धजन हैं सभी को पेंशन मिल रही है। हरेक दिव्यांगजन व विधवा माता-बहनों को सर्वजन पेंशन योजना की राशि निर्धारित समय पर मिल रही है। सभी पात्र लोगों को सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत पेंशन योजना से जोड़ दिया गया है। अपनी सरकार की उलब्धियां गिनानते हुए हेमंत ने कहा कि सरकार ने किसानों के कृषि ऋण माफ किया है, गरीबों का बकाया बिजली बिल माफ हो रहा है, उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है। बच्चों के पढ़ने के लिए निजी स्कूल की तर्ज पर सरकारी स्कूलों का निर्माण किया गया। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। सरकार गरीब, आदिवासी, मूलवासी, दलित, शोषित, पिछड़े, अल्पसंख्यक के बच्चे-बच्चियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का कार्य कर रही है। महिलाओं का सशक्तीकरण किया है। सरकार गांव-देहात से चल रही है। इस अवसर पर मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, मंत्री बेबी देवी, मंत्री इरफान अंसारी, राज्यसभा सांसद डॉ। सरफराज अहमद, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, विधायक कल्पना सोरेन, पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी तथा गिरिडीह व धनबाद के डीसी वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा ने मुझे परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ीः हेमंत ने कहा कि उनकी सरकार 4 साल तक परेशान रही। कोरोना ने 2 साल परेशान किया और उसके बाद 2 साल बीजेपी ने परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मुझे जेल में डाल दिया, लेकिन जनता के आशीर्वाद जेल से बाहर निकला। ये सरकार व्यापारियों की सरकार नहीं है। ये झारखंडियों-मूलवासियों की सरकार है। क्योंकि ये सरकार रांची से नहीं बल्कि गांव से चल रही है। सरकार बनने के बाद कई चुनौतियों से लड़ते हुए यहां के मूलवासी, आदिवासी, दलित पिछड़ा, अल्पसंख्यक सभी के लिए काम किया।

केंद्र ने मुफ्त में कनेक्शन देकर सिलिंडर का दाम बढ़ा दियाः उन्होंने कहा कि हमलोग अपना हक मांगते हैं, तो बीजेपी व केंद्र सरकार लाठी-पुलिस-जेल का काम करती है। राज्य का बकाया देने में इनका पसीना छूटता है। गरीबों को पेंशन देने का पैसा इनके पास नहीं है, लेकिन व्यापारी साथियों का करोड़ों रुपए माफ करने के लिए इनके पास पैसा है। चंद लोगों की मुट्ठी में देश की अर्थव्यवस्था सिमट कर रह गई है। महंगाई आसमान पर है। केंद्र ने मुफ्त का सिलिंडर बांटा। बाद में 1200 का सिलिंडर लाभुकों के सामने लाकर पटक दिया। आज उस सिलिंडर की क्या हालत है, जाकर गांव में देख लें।

बेटियां बोझ नही, उन्हें शिक्षित कर बनाएं मजबूतः हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छी शिक्षा व्यवस्था पर फोकस करते हुए सावित्रीबाई फुले समृद्धि योजना व गुरुजी क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। अब बेटियां बोझ नहीं हैं। आप अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा जरूर दिलाएं। बेटियों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-विवाह सहित सभी चीजों में राज्य सरकार आपको मदद करेगी। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के जरिए 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण बैंक द्वारा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, दीदी बगिया योजना सहित कई योजनाओं का लाभ किसान व गरीब वर्ग के लोगों को दिया है। अब राज्य में वनपट्टा का वितरण डिसमिल में नहीं, बल्कि एकड़ में किया जा रहा है, ताकि आप सरकारी जमीन के मालिक बन सकें।

'परिवर्तन यात्रा' को लेकर भाजपा की बैठक

रांचीः प्रदेश भाजपा कार्यालय में आज आगामी कार्यक्रम *परिवर्तन यात्रा* को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री सह झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमांता विश्व शरमा , केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बावरी, राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, राज्य सभा सांसद सह महामंत्री प्रदीप वर्मा, सांसदगण, विधायकगण, जिला अध्यक्ष सहित कई पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

चंचल चटर्जी को दुर्गा पूजा रांची महानगर जिला अध्यक्ष बनने पर दी शुभकामनाएं, दी बधाई

रांचीः कोकर दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष विकास दास एवं कमेटी के सदस्यों द्वारा चंचल चटर्जी को रांची महानगर जिला अध्यक्ष बनने की खुशी में सम्मानित किया व बधाई दी। साथ ही उन्हें कोकर दुर्गा पूजा कमेटी के आजीवन मुख्य संरक्षक के पद पर मनोनीत किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह एवं रोहित सिंह ने दी।

एशियन जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप

रजत पदक जीतकर अमीषा केरकेट्टा ने जेएसएसपीएस के साथ देश का नाम किया रौशन

रांचीः एशियन जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में रजत पदक जीतकर अमीषा केरकेट्टा जेएसएसपीएस के साथ- साथ भारत का नाम रौशन किया। आज झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसायटी (जेएसएसपीएस) की बॉक्सर अमीषा केरकेट्टा 54 किलो वर्ग में भारत को नेतृतव करते अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चल रहे अरइउ जूनियर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप (27 अगस्त से 10 सितम्बर 2024) के फाइनल में रजक पदक हासिल की। अमीषा ने अपने श्रेस्ठ प्रदर्शन करते हुवे तजाकिस्तान के बॉक्सर फरिनोज अबदुल्लोवा से फाइनल मैच में हारी और रजत पदक जीतकर झारखंड राज्य के साथ साथ देश का नाम रौशन किया। अमीषा सिमडेगा के एक गाँव पैकपारा की रहने वाली है और पिता दिलीप केरकेट्टा किसान है। अमीषा बचपन से ही खेल में रुचि रखती थी और जेएसएसपीएस में दाखिला और प्रशिक्षण के उपरांत पदक जितना प्रारंभ कर दी। वर्ष 2023 में अमीषा केरकेट्टा आईबीए वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीती थी । जेएसएसपीएस जिसे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं झारखण्ड राज्य सरकार का संयुक्त रूप से संचालन किया जा रहा है और इसका मुख्य उद्देश्य झारखंड राज्य के प्रतिभावान बच्चों को खेल जगत में प्रोत्साहित करना है। वर्तमान में जेएसएसपीएस खेल अकादमी में कुल 286 प्रशिक्षु हैं।

श्री जैन श्वेताम्बर साधु मार्गी संघ व तेरापंथ धर्म संघ के संयुक्त कार्यक्रम का समापन

क्षमा याचना व पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांचीः श्वेताम्बर जैन श्री साधु मार्गी संघ द्वारा पर्यूषण पर्व के अंतिम दिन क्षमा याचना एवं पुस्तक विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुम्बई से पधारे स्वाध्यायी बंधु गौतम जी रांका और सुरेशजी बोरडिया का विदाई समारोह तथा सभी तपस्वियों का बहुमान किया गया।

पर्यूषण पर्व आराधना के लिए श्री जैन श्री साधु मार्गी संघ के मुंबई से पधारें स्वाध्यायी स्वयं के आत्म उत्थान के साथ साथ आठ दिनों में जिन शासन की प्रभावना करवायी। पर्युषण पर्व के दौरान जैन धर्म के विभिन्न आगम में, शास्त्रों में उपलब्ध ज्ञान के माध्यम से श्रावक श्राविकाओं के जीवन को नियमन करने के लिए प्रेरित किया गया।

श्वेताम्बर जैन श्री साधु मार्गी संघ के सहयोग से जैन समता युवा संघ द्वारा समता शाखा एवं प्रार्थना पुस्तक का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक समरी लाल, पूर्व उप महापौर संजीव विजवर्गीय, रंजन यादव (युवा प्रदेश अध्यक्ष, राजद), किशोर मंत्री (चेंबर अध्यक्ष), विनय अग्रवाल (चेंबर के पूर्व अध्यक्ष), श्री साधु मार्गी संघ के अध्यक्ष अशोक सुराना, श्री साधु मार्गी जैन युवा संघ के अध्यक्ष राकेश बछावत, उत्तम चौरडिया, जय पिंचा, राजेश बछावत, संयम बछावत, सुरेश जैन, श्री राम, राहुल, प्रदीप, स्वराज, अनूप सहित अन्य द्वारा किया गया।

सभी तपस्वियों का बहुमान

इस अवसर पर सभी तपस्वियों का बहुमान किया गया। जिसमें छोटे लाल चोरड़िया के 8 उपवास, विशाल दस्सानी के 9 उपवास धर्मेंद्र बोहरा के 8 उपवास, दिशा बैंगानी, परी बैंगानी, अमन सेठिया,भव्य सुराणा के 3 उपवास,50 बयासना संगीता लोढा द्वारा किया गया। इन सभी का बहुमान श्री साधुमार्गी जैन संघ, तेरापंथ सभा एवं युवक परिषद द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में दिगम्बर जैन पंचायत समाज के अध्यक्ष नरेंद्र गंगवाल, मंत्री पंकज पांड्या, दिगम्बर जैन भवन के अध्यक्ष सुरेश जैन, मंत्री अमित रारा के साथ में समाज के अन्य उपस्थित हुए।

Office of the Project Director, ATMA, Khunti, Jharkhand

Tender Reference No: --------- Date:----------

Office of the Project Director, ATMA, Khunti, Jharkhand invites for **"Proposal for Selection of Agency for Rate Contract of Development of Micro Irrigation System along with Pumpset & Capacity Building of Farmers for Improving Land Productivity & Enhancement of Farmers Income through Improved Technology in Khunti District of Jharkhand."** Tender documents with detailed terms and conditions can be obtained through website https://khunti.nic.in and hard copies of technical bids and financial bids should be submitted to the department on or before declared due date.

Sl.No.	Information	Details
1	Name of the work	"Proposal for Selection of Agency for Rate Contract of Development of Micro Irrigation System along with Pumpset & Capacity Building of Farmers for Improving Land Productivity & Enhancement of Farmers Income through Improved Technology in Khunti District of Jharkhand."
2	Date of Publication of Bid on website	Date: 09 Sept, 2024
3	Tender Cost/Document Fee	Rs. 5000.00 (In the form of DD) in favor of Deputy Commissioner, Khunti.
4	Last date and time of receipt of Bid	Date: 18 Sept, 2024 Time: 05:00 PM
5	Date and time of opening of Bid	Date: 19 Sept, 2024 Time: 11:00 AM
6	Bid submission Place	Office of Project Director, ATMA , Khunti, Khunti
7	Bid Opening Place	Collectorate Meeting Hall, Khunti

Note:- The specified dates and times may change due to the declaration of holidays or any other unforeseen circumstances. The same shall be informed by the web portal as and when required. For any query/clarification, following numbers may be contacted 9431905311, 9934941929

PR 335163 District(24-25).D

Project Director, ATMA, Khunti.

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 10 सितंबर 2024

संवत 2081, भाद्रपद शुक्ल 7 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-8, अंक 06 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ जीवन का वरन करें

करीना कपूर की द बकिंघम मर्डस सिनेमाघर में देखने लायक हैं फिल्म ◂◂ 6

ADMISSION OPEN 2024-25

Offline Registration forms available in the school office on all working days from 9:00 AM to 2:00 PM.

www.jkworldschool.com

near Pirayalal Chowk, Opp. Hotel Le Lac, Line Tank Road, Ranchi- 834001

8002955059, 7785039282

J.K. WORLD SCHOOL

...school for Special Child

We Offer

SPECIAL EDUCATION
SPEECH THERAPY
BEHAVIOUR THERAPY
PHYSIOTHERAPY
OCCUPATIONAL THERAPY
REMEDIAL INTERVENTION
VOCATIONAL TRAINING
ASSESSMENT & COUNSELLING

Day Care · Sports · Yoga Classes · Computer · Dance & Music · Transportation · Art & Craft

Dr. Shweta Pandey
Incharge Cum Co-ordinator

कानपूर के बाद अजमेर में ट्रेन पलटने की साजिश, पटरी पर मिला सीमेंट ब्लॉक

नयी दिल्ली: राजस्थान के अजमेर में अज्ञात हमलावरों ने 70-70 किलोग्राम वजन के दो सीमेंट के ब्लॉक रेल पटरी पर रख दिए। ये ब्लॉक रखकर एक मालगाड़ी को पटरी से उतारने की कोशिश की जा रही थी। सीमेंट के ब्लॉकों से टकराने के बावजूद ट्रेन बिना किसी क्षति के अपनी यात्रा जारी रखने में सफल रही।

इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक घटना रविवार रात करीब साढ़े दस बजे हुई है। हालांकि, कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। रेल आधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं इस घटना के संबंध में रेलवे कर्मचारियों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने रेलवे अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। उत्तर पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, कुछ बदमाशों ने रविवार को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में पटरी पर सीमेंट के दो ब्लॉक रख दिए, जिन्हें एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। लेकिन कुछ अप्रिय नहीं हुआ। यह घटना फुलेरा-अहमदाबाद ट्रैक पर सरधना और बांगड़ स्टेशनों के बीच घटी। फ्रेट कॉरिडोर के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

शुरूआत में कर्मचारियों को सूचना मिली थी कि ट्रैक पर सीमेंट का ब्लॉक रखा हुआ है। जब मौके की तलाशी ली गई तो ब्लॉक टूटा हुआ पाया गया। इस बीच, उसी ट्रैक पर कुछ दूरी पर दूसरा ब्लॉक भी पाया गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। रविवार को भी एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब प्रयागराज से हरियाणा के भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन कानपुर में रेल पटरी पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई।

सिलेंडर से टकराने के बाद ट्रेन अचानक रुक गई। लोको पायलट ने ट्रैक पर सिलेंडर और पेट्रोल की बोतल और माचिस सहित अन्य संदिग्ध सामान देखकर ब्रेक लगाए। कानपुर पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और अब तक छह लोगों को हिरासत में लिया गया है।

भाजपा नेता पर हमला, गंभीर

भागलपुर: बेखौफ अपराधियों ने वार्ड पार्षद पति सह भाजपा नेता पर हमला किया है। अपराधियों ने भाजपा नेता सह जिला प्रवक्ता शशि मोदी पर अपराधियों ने बम से हमला कर दिया। इसके बाद जैसे ही वह जमीन पर गिरे तो अपराधियों ने उनपर धारदार हथियार से हमला कर दिया। शशि मोदी के गले और सिर समेत शरीर के कई हिस्सों पर हमला किया है। इस घटना में उनके साथी गोलू तिवारी पर भी हमला किया गया है। स्थानीय लोगों ने आननफानन में शशि मोदी को जेएलएनएमसीएच में भर्ती कराया।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम शुरू, लोगों की समस्याएं सुन समाधान में जुटी पुलिस

झारखंड पुलिस 18 मुख्य मुद्दों पर लोगों की समस्याएं सुनकर उसका समाधान कर रही है

मेट्रो रेज

रांची : डीजीपी अनुराग गुप्ता की पहल पर आज से जन शिकायत समाधान कार्यक्रम शुरू हो गया। राज्य के सभी जिले की पुलिस अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम में झारखंड पुलिस 18 मुख्य मुद्दों पर लोगों की समस्या सुनकर उसका समाधान कर रही है। इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए 21 जिलों में आईजी और डीआईजी रैंक के अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है, जो शाम में अपने-अपने जिले में प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। 21 जिलों में प्रतिनियुक्त किये गये आईजी और डीआईजीः रांची में आईजी मनोज कौशिक, खूंटी में आईजी प्रभात कुमार, सिमडेगा में आईजी असीम विक्रांत मिंज, गुमला में आईजी अखिलेश झा, हजारीबाग में आईजी पंकज कंबोज, बोकारो में आईजी माइकल राज एस, पलामू में आईजी नरेंद्र सिंह, लातेहार में आईजी राजकुमार लकड़ा, रामगढ़ में आईजी एवी होमकर, देवघर में आईजी ए विजया लक्ष्मी, साहिबगंज में आईजी क्रांति गड़देशी, गिरिडीह में डीआईजी सुनील भास्कर, धनबाद में डीआईजी सुरेंद्र झा, कोडरमा में डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल, लोहरदगा में डीआईजी अनूप बिरथरे, चतरा में डीआईजी कार्तिक एस, गढ़वा में डीआईजी वाई एस रमेश, दुमका में डीआईजी इंद्रजीत महथा, गोड्डा में डीआईजी शैलेंद्र वर्नवाल, पाकुड में डीआईजी संजीव कुमार और जामताड़ा में आईजी शैलेंद्र सिन्हा मॉनिटरिंग के लिए प्रतिनियुक्त हुए हैं।

डोरंडा थाने में लगा 3 थाने का जन शिकायत समाधान कैंप , अपनी समस्या लेकर पहुंच रहे लोग

रांचीः डोरंडा थाना में लगे जन शिकायत समाधान कार्यक्रम मे अपनी शिकायते लेकर पहुंच रहे लोग। डोरंडा थाना परिसर मे डोरंडा थाना के अलावा एयरपोर्ट थाना और अरगोड़ा थाना का भी समाधान कैंप लगा है। मौके पर हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा, अरगोड़ा सीईओ सुमन सौरव, डोरंडा थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद, अरगोड़ा थाना प्रभारी आनंद कुमार मिश्रा, एयरपोर्ट ठाना प्रभारी कश्यप गौतम सहित पुलिस के कई पदाधिकारी लोगो के समस्या का समाधान करने के लिए मौके पर मौजूद।

केदारनाथ मार्ग पर गौरीकुंड और सोनप्रयाग के बीच भूस्खलन, पांच तीर्थयात्रियों की मौत

देहरादून : उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर भूस्खलन के कारण फंसे तीर्थयात्रियों में से मंगलवार सुबह चार और शव बरामद हुए हैं, जिससे मृतकों की संख्या आज पांच हो गई है। जबकि तीन अन्य को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया है। मृतक और घायलों में पड़ोसी देश नेपाल के साथ, मध्य प्रदेश और गुजरात के यात्री शामिल हैं। राहत और बचाव कार्य अभी जारी है। रूद्रप्रयाग के अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने

बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कोतवाली सोनप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत, सोनप्रयाग से लगभग 01 किमी दूर गौरीकुण्ड की तरफ हाल ही में हुए भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में गौरीकुण्ड से सोनप्रयाग की ओर आ रहे कुछ यात्री मलबे में दब गए हैं। सूचना पर पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व डीडीआरएफ की ओर से संयुक्त बचाव अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान देर रात तीन व्यक्तियों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया, जबकि एक अचेत अवस्था में मिला जिसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि यहां पर रात के समय खराब मौसम व लगातार मलबा-पत्थर आने के कारण रेस्क्यू टीमों को अपना कार्य करने में दिक्कतें आयी व बचाव कार्य रोकना पड़ा।

भारत में सिखों को पगड़ी पहनने की भी इजाजत नहीं, अमेरिका में बोले राहुल बीजेपी नेता ने कहा- कोर्ट में घसीटूंगा

नयी दिल्ली: कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में सिखों का उदाहरण देते हुए भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर अपनी टिप्पणी से राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। वर्जीनिया के हेरंडन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को पगड़ी पहनने की इजाजत दी जाएगी। गुरुद्वारे में जाओ, यही लड़ाई है, और यह सिर्फ सिखों के लिए नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। सिखों पर गांधी की टिप्पणी की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी आलोचना की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा 1984 में दिल्ली में 3,000 सिखों का नरसंहार किया गया, उनकी पगड़ियां उतार दी गईं, उनके बाल काट दिए गए और उनकी दाढ़ी काट दी गई। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह तब हुआ था जब कांग्रेस सत्ता में थी। बीजेपी ने राहुल गांधी पर सिख समुदाय के साथ कांग्रेस पार्टी के अपने इतिहास को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। सिंह ने गांधी को कानूनी नतीजों की चेतावनी देते हुए भारतीय धरती पर अपनी टिप्पणी दोहराने की चुनौती दी।

क्या दिल्ली में लगेगा राष्ट्रपति शासन?

राष्ट्रपति ने भाजपा के पत्र पर संज्ञान लेते हुए गृह मंत्रालय से कार्रवाई करने को कहा

नयी दिल्ली: क्या दिल्ली में लग सकता है राष्ट्रपति शासन? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि राष्ट्रपति ने दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने की मांग संबंधी दिल्ली भाजपा की अपील को गृह मंत्रालय के समक्ष भेज दिया है। इस संबंध में दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि संविधान के कथित उल्लंघन के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को बर्खास्त किए जाने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा गया ज्ञापन गृह मंत्रालय को भेज दिया गया है। विजेंद्र गुप्ता ने एक बयान में दावा किया है कि दिल्ली सरकार द्वारा छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं करना तथा कैग रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई न करना संविधान का उल्लंघन है।

ज्ञात हो कि भाजपा विधायकों

के एक प्रतिनिधिमंडल ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा था जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में होने के कारण दिल्ली में उत्पन्न संवैधानिक संकट के बीच तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया था। विजेंद्र गुप्ता ने राष्ट्रपति सचिवालय से प्राप्त एक पत्र को साझा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ने ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए उसे गृह सचिव को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने गृह सचिव से इस मामले पर तत्काल और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

ज्ञात हो कि दिल्ली विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से दिल्ली में चल रहे संवैधानिक संकट में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उन्हें ज्ञापन दिया था। ज्ञापन में सर्वप्रथम दिल्ली की पंगु हो चुकी प्रशासनिक व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा गया था कि आबकारी नीति घोटाले से संबंधित गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों में सीएम केजरीवाल चार महीने से अधिक समय से जेल में हैं। जेल में बंद होने के बावजूद, केजरीवाल ने इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है, जिससे एक गंभीर स्थिति पैदा हो गई है और इसी कारण दिल्ली में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। ज्ञापन में कहा गया था कि महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों में देरी हो रही है और आवश्यक सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं, जिसका खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय महावर, अभय वर्मा, अनिल वाजपेयी, जितेंद्र महाजन, करतार सिंह तंवर और दिल्ली के पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद ने राष्ट्रपति मुर्मू से संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत मौजूदा आप सरकार को बर्खास्त करने का आग्रह किया था। देखा जाये तो राजधानी में शासन की बिगड़ती स्थिति के कारण दिल्ली के नागरिकों और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बाधित होने की वजह से राष्ट्रपति से यह अपील की गई थी। विपक्ष का मानना है कि राष्ट्रीय राजधानी में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मानदंडों के और अधिक पतन को रोकने के लिए राष्ट्रपति का तत्काल हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है।

गाजा पट्टी पर इजरायली हमला, 40 की मौत

गाजा सिटी: दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के अल मवासी इलाके पर हुए इजरायली हमले में कम से कम 40 लोग मारे गए और 60 घायल हो गए। यह जानकारी फिलिस्तीनी प्रसारक अल-अक्सा टीवी ने गाजा नागरिक सुरक्षा आपूर्ति विभाग के प्रमुख के हवाले से मंगलवार को दी। गाजा नागरिक सुरक्षा अधिकारी के अनुसार, इस हमले में शरणार्थियों वाले 20 तंबू ध्वस्त हो गए। प्रसारक के अनुसार, हमले की जगह पर खोज और बचाव अभियान मुश्किल परिस्थितियों में जारी है।

बदले में, इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि इजराइली विमान ने फिलिस्तीनी हमास आंदोलन के कमांड और नियंत्रण केंद्र पर हमला किया था। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा कि कुछ समय पहले आईडीएफ और आईएसए के खुफिया के निर्देश पर आईएएफ ने महत्वपूर्ण हमास आतंकवादियों पर हमला किया, जो खान यूनिस में

मानवतावादी क्षेत्र में एक कमांड और नियंत्रण केंद्र में काम कर रहे थे। आईडीएफ ने कहा कि हमले से पहले नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के जोखिम को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए, जिसमें सटीक युद्ध सामग्री, हवाई निगरानी और अतिरिक्त साधनों का उपयोग शामिल था। उल्लेखनीय है कि सात अक्तूबर, 2023 को गाजा पट्टी से इजराइल की ओर अभूतपूर्व रॉकेट हमला किया गया। इसके अलावा, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के लड़ाकों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ की, सेना और नागरिकों पर गोलीबारी की और बंधक बना लिया। इजराइली अधिकारियों के अनुसार हमले में लगभग 1200 लोग मारे गए। इजराइल रक्षा बलों ने गाजा पट्टी में ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स शुरू किया और एन्क्लेव की पूर्ण नाकाबंदी की घोषणा की।

सुविचार

दिल के सच्चे लोग भले ही जीवन में अकेले रह जाते हैं लेकिन ऐसे लोगों का साथ भगवान जरूर देता है।

पाक आर्मी चीफ का कबूलनामा

पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है कि 1999 के करगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना शामिल थी। पहली बार पाकिस्तान सेना ने इतने ऊंचे स्तर पर और इतने स्पष्ट रूप में यह सच स्वीकार किया है। यह कबूलनामा साबित करता है कि चाहे कोई व्यक्ति हो या देश, सच से ज्यादा समय तक भाग नहीं सकता। देर-सबेर उसे सच को मानना ही पड़ता है। तथ्य यह है कि 1999 में करगिल में चोरी-छुपे भारत की सीमा में घुस आने के बाद भी पाकिस्तान सेना इस तथ्य से मुंह चुराती रही। उसने बार-बार यही कहा कि करगिल में कश्मीर के स्थानीय लड़ाके ही लड़ाई लड़ रहे हैं। यहां तक कि भारत ने जब इस युद्ध में मारे गए पाकिस्तानी सैनिकों के शव सौंपने चाहे, तब भी पाकिस्तान ने उन्हें लेने से इनकार कर दिया। बाद के घटनाक्रम ने साफ किया कि पाकिस्तान के लिए इस सच को छुपाना मुश्किल साबित हो रहा था। लिहाजा वह टुकड़ों और इशारों में सच बताता रहा। करगिल युद्ध के दौरान सेना प्रमुख रहे और बाद में राष्ट्रपति बने परवेज मुशर्रफ ने 2006 में आई अपनी किताब में स्वीकार किया कि करगिल प्रकरण के चलते उनके और तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के बीच दरार आई। 2010 में पाकिस्तान सेना ने आधिकारिक वेबसाइट पर शहीदों का कोना खंड के अंतर्गत करगिल संघर्ष में मारे गए 453 सैनिकों के नाम डाले। पिछले दिनों पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी मान चुके हैं कि पाकिस्तानी सेना ने लाहौर समझौते का उल्लंघन किया था। पाकिस्तानी आर्मी चीफ के ताजा बयान को सच स्वीकारने की दो दशक पुरानी कोशिशों की नवीनतम कड़ी के ही रूप में देखा जा सकता है। लेकिन अब जब पाकिस्तानी सेना ने सर्वोच्च स्तर पर करगिल युद्ध का सच मान लिया है तो सवाल यह है कि क्या इससे दोनों देशों के रिश्तों पर कोई पॉजिटिव प्रभाव पड़ेगा। सीधा जवाब यह है कि ऐसी कोई संभावना कम से कम फिलहाल नजर नहीं आ रही। दिक्कत यह है कि इस स्वीकारोक्ति के पीछे ईमानदारी और साफगोई नहीं है। हालांकि हाल में पाकिस्तान की तरफ से रिश्ता सुधारने की परोक्ष पेशकश कई बार आ चुकी है, रउड की बैठक के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पाकिस्तान आने का न्योता भी भेजा गया है, लेकिन आतंकी तत्वों से दूरी दिखाने का कोई उल्लेखनीय प्रयास आज भी नजर नहीं आता। खुद आर्मी चीफ ने अपने ताजा बयान में भी कश्मीर को ग्लोबल मसला बताया जबकि शिमला समझौते में दोनों देश इसे एक द्विपक्षीय मुद्दा मान चुके हैं। ऐसा रवैया रिश्तों को बेहतरी की ओर कैसे ले जा सकता है?

गहराता जल संकट

पंजाब और हरियाणा में धान की खेती भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यह असंधारणीय होती जा रही है। धान की खेती के कारण भूजल का अत्यधिक दोहन होने से इस क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। हरियाणा में 88 जल इकाइयों को अत्यधिक दोहन वाली श्रेणी में रखा गया है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि और जल संसाधन दोनों की सुरक्षा के लिए तत्काल सुधार की आवश्यकता है। पंजाब और हरियाणा में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भूजल स्तर में भारी कमी आई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के 2023 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि धान की खेती के लिए अत्यधिक जल दोहन के कारण पंजाब के 87% ब्लॉकों का अति दोहन किया गया। धान की खेती में प्रति किलो चावल के लिए लगभग 4,000-5,000 लीटर जल की खपत होती है, जिससे क्षेत्र के जल संसाधनों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। इसकी तुलना में बाजरे को प्रति किलो केवल 500 लीटर जल की आवश्यकता होती है, जो जल की आवश्यकताओं में भारी अंतर और धान की खेती की असंधारणीय प्रकृति को दशार्ता है। ट्यूबवेल के लिए दी जाने वाली मुफ़्त बिजली ने भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा दिया है, जिससे यह संकट और भी बढ़ गया है। पंजाब के किसानों को वर्ष 2023-24 में बिजली, नहर के पानी और उर्वरक के लिए 38,973 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी मिली, जिससे भूजल का निरंतर रूप से अतिदोहन हो रहा है। धान की खेती के कारण बढ़ता जल तनाव, जलवायु परिवर्तन के कारण और भी अधिक हो गया है, अनियमित वर्षा के कारण जलभृतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब और हरियाणा के जल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट से कृषि की दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है। धान की खेती एकल फसल प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे जैव विविधता कम होती है और मृदा के पोषक तत्व कम होते हैं, जिससे कृषि संधारणीयता में कमी आती है। अध्ययनों के अनुसार फसल चक्रण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है परंतु धान की खेती ऐसी विविधता को हतोत्साहित करती है। जल की अधिक माँग के कारण रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भी बढ़ जाता है, जिससे मृदा की गुणवत्ता और भी खराब हो जाती है तथा जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं। बाढ़ सिंचाई, धान की खेती में प्रयुक्त होने वाली एक प्रमुख विधि है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह के माध्यम से जल की बहुत बबार्दी होती है। निरंतर धान की खेती से मृदा लवणता बढ़ जाती है, जिससे कृषि भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है और यह अन्य फसलों के लिए कम उपयुक्त हो जाती है। धान के खेत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, विशेष रूप से मीथेन के उत्सर्जन में जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है और दीर्घकालिक कृषि व्यवहार्यता को प्रभावित करता है। धान की खेती प्रति हेक्टेयर 5 टन काबोर्डीऑक्साइड समतुल्य हानिकारक गैस उत्पन्न करती है, जो इसे कृषि उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाती है। दालों, तिलहनों और बाजरा जैसी कम जल की खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से जल का उपयोग काफी कम हो सकता है और संधारणीयता में सुधार हो सकता है। पंजाब की 2024 की योजना, धान को छोड़कर वैकल्पिक फसलों को उगाने के लिए 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन की पेशकश करती है, जिसका उद्देश्य विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धान से अन्य संधारणीय फसलों पर सब्सिडी को पुनर्निर्देशित करना आवश्यक है। डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देने से पैदावार को बनाए रखते हुए जल संरक्षण में मदद मिल सकती है। एमएसपी और खरीद कार्यक्रमों के माध्यम से दालों और तिलहन जैसी फसलों के लिए बाजार आश्वासन सुनिश्चित करने से किसानों के धान के अलावा अन्य फसलों को उगाने का डर, कम हो सकता है। भारतीय खाद्य निगम ने वर्ष 2023 में पंजाब का 92.5% चावल खरीदा, इसी तरह के तंत्र वैकल्पिक फसलों को उगाने की प्रथा को बढ़ावा दे सकते हैं। फसल विविधीकरण और जल-बचत प्रथाओं के लाभों के संबंध में किसानों को शिक्षित करने से दीर्घकालिक परिवर्तन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयास, पुनर्गठित सब्सिडी, जल-कुशल प्रथाओं और बाजार आश्वासन पर ध्यान केंद्रित करके, पंजाब और हरियाणा को सतत कृषि की ओर उन्मुख किया जा सकता है। इस तरह के सुधार कृषि उत्पादकता को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करेंगे, क्षेत्र के जल संसाधनों को सुरक्षित करेंगे और इसके कृषक समुदायों के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे।

जीवन का वरण करें

आत्महत्या के प्रश्न को समाज में हम किस नजरिए से देखते हैं यह महतवपूर्ण है। इसे लेकर चुप्पी तोड़ने की आवश्यकता है। खुले मन से, समझदारी की दृष्टि से सहायता की ईमानदार कोशिश से उन लोगों को बचाया जा सकेगा जो इस घातक मनोरोग से ग्रस्त हैं और जिन्हें मदद की आवश्यकता है। इसके लिए जन-जागृति और सहयोग की संस्कृति विकसित करनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम दिवस पर विशेष

वैसे तो आत्महत्या जैसी घटनाओं का विभिन्न संस्कृतियों में लम्बा इतिहास है, फिर भी समकालीन समाज में जिस तेजी से ये लगातार बढ़ रही है वह पूरे विश्व के लिए चिंता का बड़ा कारण हो रहा है। आत्महत्या की दिशा में आगे बढ़ना और उसे अंजाम देना बड़ा जटिल व्यवहार है। यह आर्थिक, पारिवारिक, धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में आ रहे तीव्र परिवर्तन के दबावों से जुड़ा हुआ है। भारत के संदर्भ में आधुनिकीकरण, धर्म की जगह सेकुलर दृष्टि को तरजीह और संयुक्त परिवार का नष्ट होना कुछ ऐसी घटनाएँ हैं जो हमारी सोच को उलट-पलट रहे हैं और व्यक्तिगत स्तर पर व्यवहार को नियंत्रित संयोजित करने की प्रक्रिया को कमजोर कर रहे हैं। औद्योगीकरण तथा नगरीकरण आदि ने समाज में विद्यमान एकीकरण या जोड़ने की क्षमता को लगातार कम किया है। अब व्यक्तिगत स्वातंत्र्य को बढ़ावा देते हुए व्यक्ति की निजी इच्छाओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है। समाज द्वारा नियमन

गिरीश्वर मिश्र

और निगरानी अनावश्यक दखल मानी जा रही है। इन सबके बीच आदमी की बुद्धि, भावना और सामाजिकता सबके बीच संतुलन बिगड़ता जा रहा है। लोगों के आपसी रिश्ते बेतरतीब हो रहे हैं। सामाजिक-आर्थिक संरचना में बदलाव और बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के साथ लोग कर्ज, शेयर बाजार में गिरावट और गलाकाट व्यावसायिक प्रतिद्वंदिता जैसी मुश्किलों में उलझते जा रहे हैं। व्यक्तिगत स्तर पर नकारात्मक जीवन की घटनाएँ आदमी में विषाद, निराशा और खुद के बारे में नकारात्मक सोच को बढ़ावा दे रही हैं। इन सबके बीच आदमी सारे कष्टों से मुक्ति के उपाय के रूप आत्महत्या के विचार की ओर आकृष्ट होता है। वह खुद अपने आप से और अपनी दुनिया से पलायन करने को उद्यत होता है। बढ़ते भावनात्मक तनाव के बीच मृत्यु का आकर्षण तीव्र हो उठता है। भावनात्मक कठिनाइयों से लड़ते हुए आदमी का आत्म-नियंत्रण टूटने लगता है।

अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कुछ देशों में आयु के साथ आत्महत्या की घटनाएँ बढ़ रही हैं तो कुछ देशों में मध्य आयु वर्ग में इसकी प्रवृत्ति सर्वाधिक है तो कुछ में किशोरवय में यह अधिक है। आज आत्मघात करने की मानसिक अवस्था वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य की एक प्रमुख समस्या का रूप ले रही है। एक अनुमान के अनुसार विश्व में होने वाले आत्महत्या के कुल मामलों के 78 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों से आते हैं। मनुष्यों की मृत्यु के कारणों में पंद्रहवाँ आत्महत्या का है। पूरे विश्व में लगभग सात लाख से अधिक लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण होती है। प्रति एक लाख की जनसंख्या पर 10.7 आत्महत्या की दर का अनुमान किया गया है। उल्लेखनीय है कि 15-44 वर्ष के आयु वर्ग में आत्महत्या, मृत्यु के तीन प्रमुख कारणों में शुमार है। यद्यपि पुलिस के आँकड़े अपर्याप्त हैं और राष्ट्रीय अपराध रिकर्ड ब्यूरो के प्रदत्त संकलन की विधि भी पूरी तरह से संतोषजनक नहीं है तथापि उनसे पता चलता है कि 25-34 आयु वर्ग में और बुजुर्गों में आत्महत्या के मामले अधिक थे। इसी तरह पुरुषों, खंडित परिवारों, तलाकशुदा लोगों में, अकुशल कामगारों में, निम्न सामाजिक-आर्थिक समुदायों के लोगों में, नकारात्मक जीवन की परिस्थितियों (जैसे-पारिवारिक कलह, वैवाहिक समस्या) से जूझते लोगों में इस तरह की घटनाएँ अधिक होती हैं।

आत्महत्या को सीमांत व्यक्तित्व विकृति का एक लक्षण माना गया है। कई मामलों में इसका सम्बन्ध मादक द्रव्य और पदार्थों के सेवन से भी जुड़ा पाया जाता है। इसे खानपान, चिंता, अवसाद, द्विछोरी (बाई पोलर) विकृति तथा त्रासदी उपरांत विकृति (पीटीएसडी) से भी जुड़ा पाया गया है। इसकी व्याख्या करते हुए प्रसिद्ध समाजशास्त्री दुर्खाइम ने समाज और संस्कृति की भूमिका पर बल दिया था। इसे फ्रायड के विचारों को ध्यान में रखकर आत्महत्या को दूसरे व्यक्ति की हत्या का विलोम और दूसरे के प्रति क्रोध की आत्माभिमुख अभिव्यक्ति भी कहा गया है। इसकी व्याख्या मृत्यु की मूल प्रवृत्ति तथा हत्या करने की आकांक्षा और मृत्यु की इच्छा आदि से भी जोड़ कर की जाती है। इसे मनोपीड़ा (साइकीक) से भी सम्बंधित किया गया है जो असह्य हो और जीना दूभर कर दे। उतावलापन और कार्य में चरमोत्कृष्टता (परफेक्शन) की प्रवृत्ति से भी इसे जुड़ी होती है।

ध्यातव्य है कि आत्महत्या स्वयं अपने द्वारा अपने को खत्म करने के लिए आरंभ किया गया सचेत व्यवहार है। वस्तुतः यह अस्वास्थ्य की एक बहुआयामी अवस्था है जब कोई व्यक्ति किसी मुद्दे के समाधान के रूप में आत्महत्या को विकल्प तय करता है। उसे और दूसरे रास्ते बंद लगते हैं और यही उसे सर्वथा उचित उपाय लगने लगता है। अक्सर आत्महत्या के अंतिम कदम उठाने के पहले व्यक्ति कई व्यवहार प्रदर्शित करता है जो इस (आगामी) दुर्घटना का संकेत देते हैं। स्वैच्छिक आत्महानि या खुद को नुकसान पहुँचाने का व्यवहार भी कई तरह का होता है। जहर खाना, कोई गलत या अधिक मात्रा की दवा या पेस्टीसाइड आदि खाना, फाँसी लगाना, नस काट कर, पानी में कूद कर, पिस्टल आदि घातक हथियार से खुद को अपने को आहत करते हैं और जान दे देते हैं। खुद को आघात पहुँचाने की प्रवृत्ति आत्महत्या की दिशा में आगे बढ़ने की प्रवृत्ति की सहयोगी होती है। इन सबमें जोखिम को बढ़ाने वाले कारक एक से हैं। गैर घातक आत्मघाती व्यवहार भी किया जाता है जिसको पहचानना सरल नहीं होता है। उसे समझने के लिए व्यवहार की तीव्रता और व्यवहार कितना प्राणघाती है इन सब पर गौर करना जरूरी होता है। इस तरह के लक्षणों वाले रोगियों को सँभालने के लिए प्रभावी मनोचिकित्सा की जरूरत होती है। ऐसे रोगियों की जाँच और मूल्यांकन अच्छी तरह से होना चाहिए। मूल्यांकन के आधार पर औषधि या गैर औषधि वाले उपायों की सहायता ली जा सकती है। खासतौर पर आत्मघात के लक्षणों वाले रोगियों के जैविक, सामाजिक आर्थिक तथा सामाजिक सांस्कृतिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष कि स्म के उपचार की जरूरत पड़ती है। आत्महत्या की सोच को जाँचने के लिए मनोवैज्ञानिकों ने कुछ प्रश्नावलियों का भी विकास किया है जिससे उसका पूवार्नुमान किया जा सकता है। ऐसे रोगी की सुरक्षा की पुख़्ता व्यवस्था होनी चाहिए। उसकी अच्छी तरह देख-रेख और निगरानी जरूरी है। सामाजिक रिश्तों से जुड़ी समस्याओं के लिए समस्या-समाधान, थिरैपी (जैसे-संज्ञानतमक व्यवहार चिकित्सा या सीबीटी) और परामर्श उपयोगी हैं।

इस परिस्थिति के लिए प्राथमिक रोकथाम की कोशिश करते हुए समाज के स्तर पर जोखिम को घटाना आवश्यक है। इस दृष्टि से गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, तनाव, वैवाहिक संघर्ष, मादक द्रव्य सेवन, हथियारों की उपलब्धता आदि को कम करना होगा। द्वितीयक रोकथाम के अंतर्गत इसके जोखिम वाल लोगों को पहचानना और उचित तथा सामयिक हस्तक्षेप जरूरी है। समय पर हस्तक्षेप करना बड़ा लाभकर होता है। क्राइसिस हेल्पलाइन और परामर्श की प्रभावी सेवा उपलब्ध कराना जरूरी है। तृतीयक रोकथाम के अंतर्गत जो लोग आत्महत्या की कोशिश कर चुके हैं और जीवित हैं, उनको शर्म और ग्लानि से मुक्त करना और पुनर्वास का प्रयास शामिल है।

आत्महत्या के प्रश्न को समाज में हम किस नजरिए से देखते हैं यह महतवपूर्ण है। इसे लेकर चुप्पी तोड़ने की आवश्यकता है। खुले मन से, समझदारी की दृष्टि से सहायता की ईमानदार कोशिश से उन लोगों को बचाया जा सकेगा जो इस घातक मनोरोग से ग्रस्त हैं और जिन्हें मदद की आवश्यकता है। इसके लिए जन-जागृति और सहयोग की संस्कृति विकसित करनी होगी। इस तरह के विचार-विमर्श से सम्बंधित नीतियों का निर्माण और कायदे-कानून बनाने में सहायता मिलेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बार आख्यान में बदलाव लाने के लिए कहा है। इसका आशय यह भी है कि मानसिक स्वास्थ्य को वरीयता मिले, उसके लिए आवश्यक सुविधा तक जन सामान्य की पहुँच सुनिश्चित हो। आत्महत्या को रोकना असंभव नहीं है। इसके लिए उचित समय पर इस दिशा में आगे जा रहे व्यक्ति से मिल रही चेतावनी के संकेत को समझ कर उचित कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके लिए आत्महत्या को लेकर समाज में व्याप्त आख्यान को नए सिरे से गढ़ना होगा। इस बारे में खुले और ईमानदार विमर्श की शुरूआत करनी होगी। तभी मानसिक स्वास्थ्य के इस गंभीर पहलू को समझा जा सकेगा। विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी मेलजोल से हम एक संवेदनशील समाज बना सकेंगे जिसमें हर कोई अपने को उपयोगी, समर्थ और मूल्यवान समझ सके। समाज भी उसे ठीक तरह से समझ कर उसके साथ बर्ताव कर सकेगा। उपनिषद् में काम करते हुए सौ साल जीने की कामना की गई थी : कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेत्शतं समाः । जीवन अमूल्य है और उसके पालन-पोषण और संरक्षण के लिए सामाजिक स्तर पर तैयारी आवश्यक है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

अतीत और वर्तमान, बाधाओं से जूझती रही हिंदी

राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिंदी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी।

हिंदी की जब भी चर्चा होती है, दो तरह के भाव आते हैं। इसे लेकर पहला भाव उत्साह और गर्वबोध वाला होता है। हिंदी के क्षितिज के लगातार हो रहे विस्तार और उसके गवीर्ले अतीत को लेकर हिंदीप्रेमी जहां उत्साह से भर उठते हैं, वहीं अंग्रेजी माध्यम से पढ़े गुलामी की मानसिकता वालों के चेहरे पर विद्रूप और व्यंग्यभरी मुस्कान चिपक जाती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ इलाकों के राजनीतिक तो हिंदी से अछूत जैसा व्यवहार करने में स्वयं जहां गर्वबोध का अनुभव करते हैं, वहीं अपने समर्थकों को हिंदी को दुश्मन की तरह मानने के लिए उकसाने में भी पीछे नहीं रहते। इसके बावजूद हिंदी का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, विशेषकर आमजन

उमेश चतुर्वेदी

की बोली-बानी के रूप में यह स्थापित होती जा रही है। इतने सारे विरोध के बावजूद और अड़ंगे के बावजूद हिंदी अगर बढ़ती नजर आ रही है तो मानना पड़ेगा कि उसमें कुछ बात जरूर है। हिंदी के इस प्रभावी हश्र पर इकबाल की पंक्तियां याद आना स्वाभाविक है,

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी।
सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-जमाँ हमारा।।

हिंदी की राह में आजादी के पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसकी शायद यह बड़ी वजह रही कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के अगुआ महात्मा गांधी स्वयं हिंदी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिंदी की सामर्थ्य को पहचान चुके थे। इसीलिए गैर हिंदीभाषी होने के बावजूद उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन की केंद्रीय भाषा हिंदी को बनाने की कोशिश की और भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिंदी को तैयार करने की कोशिश भी की। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य हिंदी को भावी भारत की भाषायी जरूरत के लिहाज से ना सिर्फ तैयार करना था, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में स्थापित करना भी था। हिंदी इस दिशा में आगे बढ़ती रही। कांग्रेस के दस्तावेज भले ही अंग्रेजी बनते रहे, लेकिन बहसों और उसके वार्षिक अधिवेशनों की भाषा हिंदी ही रही। 1938 में कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद हिंदी के इस प्रभाव को सुभाष चंद्र बोस ने भी समझा और बाकायदा हिंदी सीखी। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते पार्टी के वार्षिक अधिवेशन को उन्होंने हिंदी में ही संबोधित किया था, जिसकी रिकॉर्डिंग आकाशवाणी के आर्काइब में आज भी सुरक्षित है। उनकी मीठी हिंदी एक तरह से मोहती है। उसे सुन लगता है कि स्वाधीनता संग्राम में हिंदी किस तरह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही थी।

जिस हिंदी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तपःसाधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिंदी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिंदी दिवस पाखंड बन कर रह गया। अच्छी बात यह कह सकते हैं कि इस बहाने सरकारी कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों को कुछ नगद रकम बतौर पारितोषिक मिल जाती है, और बाकी कर्मचारियों को मिठाई और नाश्ता आदि और फिर हिंदी की पूरे वर्षभर के लिए राजभाषा के रूप में इतिश्री हो जाती है।

राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिंदी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी। लेकिन इसी बीच अंग्रेजी समर्थकों, हिंदी विरोधी कहना ज्यादा समीचीन होगा, ने हिंदी के खिलाफ षडयंत्र जारी रखा। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी को हिंदी की तुलना में ज्यादा गंभीर और प्रभावी रूप से स्थापित किया। इतना नहीं, इस बीच हिंदीतर दूसरी भारतीय भाषाओं के मन में हिंदी को लेकर लगातार जहर भरा जाता रहा। इसमें अंग्रेजी शिक्षा और उसके जरिए मिलने वाली सुख-सुविधाएं और बेहतर नौकरियों ने बड़ा योगदान दिया। अगर आजादी के तुरंत बाद हिंदी को लागू कर दिया जाता और हिंदी को विकसित करने के तर्क को परे सरका दिया गया होता तो आज हिंदी कुछ उसी तरह स्थापित होती, जैसे इंडोनेशिया और तुर्की में हुआ। इसे संयोग ही कहेंगे कि भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ था। तब तक इंडोनेशिया के राजकाज की भाषा डच होती थी। लेकिन आजादी मिलते ही इंडोनेशिया के शासक सुकर्णो ने तुरंत अपनी भाषा ह्यबहासा इंडोनेशियाह्ल को लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तब वहां के स्वाधीनता सेनानी और शासक कमाल अतातुर्क ने तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। अगर भारत में भी कुछ हिंदी के साथ ऐसा ही हुआ होता तो निश्चित तौर पर इतिहास और परिदृश्य दोनों अलग होते।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

तेज हवा की गुस्ताखियां

व्यंग्य

बरसात की परेशानियां खत्म नहीं हुई उधर तेज हवाओं ने भी मोर्चा संभाल लिया है। इतनी बड़ी, भारी, महंगी विशाल मूर्ति को तोड़ दिया। सशक्त जाँच टीमें गठित कर दी गई है। जांच तो होगी ही क्यूंकि जांच होनी ही चाहिए वैसे इस बारे ज्यादा संशय नहीं है कि जांच में क्या निकलेगा। अरे हां, एफआईआर भी दर्ज कर दी गई है। वैसे यह दिलचस्प है कि कई इंसानी मामलों में एफआईआर इतनी जल्दी और आसानी से दर्ज नहीं हो सकती। इससे यह साबित होता है कि हमारे समाज में मूर्तियों की साख और प्रभाव ज्यादा है।

मूर्तिपूजक समाज से ऐसी ही उम्मीद करनी चाहिए। सम्बंधित दोषियों ने अपने बचाव के लिए राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक प्रबंध शुरू कर दिए होंगे। इंसान नहीं मूर्ति का मामला है इसलिए जांच ज्यादा बेहतर तरीके से की जाएगी। ऐसा होना भी जरूरी है क्यूंकि मूर्ति की कीमत करोड़ों में है। इंसान की कीमत इतनी हो नहीं सकती। हो सकता है कुछ समझदार व्यक्तियों की टीम का गठन करके मूर्ति की कीमत दोबारा आंकी जाए। यह जिम्मेदार प्रशासन की व्यावहारिक परेशानी है कि इतनी बड़ी प्रतिमा को आनन और फानन में दोबारा स्थापित भी नहीं कर सकते। वैसे लोकप्रिय सरकार ने, विपक्ष द्वारा भ्रष्टाचार के ज्यादा भारी आरोपों के मद्देनजर उचित निर्णय लेते हुए अविलम्ब घोषणा कर दी कि इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। यह सही कार्य इसलिए किया कि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार कुंद हो सके बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी भी किस्म की लापरवाही और उदासीनता बरतने वालों को यह कठोर संदेश जाए कि वे किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। राजनीति, सामयिक समझदारी से काम करती है। बाल काले कर, साफ सुथरे कपडे पहनकर वक्तव्य देती है। इस बार जांच की जरूरत को खत्म करते हुए स्पष्ट बता दिया गया कि तेज हवाओं ने जान बूझकर इस मूर्ति को तोड़ा है। तेज हवाएं भी प्राकृतिक आपदा ही हैं और सब जानते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं से कोई नहीं बच सकता। तेज हवा के कारण निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से समझौते बारे पता करने की जरूरत नहीं रहती। तेज हवा, राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य करने की प्रवृति भी उजागर नहीं होने देती । कमबख्त हवा यह भी विचार नहीं करती कि हमारे सभ्य समाज में प्रतिमा बनाकर पुरखों का कितना सम्मान किया जाता है।

- एस उत्सुक

पत्र

आत्महत्या किसी समस्या का हल नहीं

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जिसका यह संदेश है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जन जागरुकता से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस का उद्देश्य आत्महत्या की मनोवृत्ति पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

विशाल कुमार, मांडर

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज ब्रीफ

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में प्राप्त हुए 2151 आवेदन

जामा। प्रखंड अंतर्गत बारा एवं थानपुर पंचायत में सोमवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वारर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रखंड के दोनों पंचायतों के शिविर में स्टॉल लगाकर लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी और आवदेन प्राप्त किये गये। अंचलाधिकारी अशोक बड़ाइक ने जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से लोगों को अवगत कराया। साथ ही सभी स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। सीओ ने बताया कि आबुआ आवास से संबंधित आवेदन ज्यादा प्राप्त हो रहे हैं। साथ ही मुख्यमंत्री पशुधन योजना का आवेदन भी प्राप्त हो रहे हैं। इस दौरान बारा पंचायत में कुल 1241 आवेदन प्राप्त किए गये जबकि थानपुर पंचायत में कुल 910 आवेदन प्राप्त किया गया। दोनों पंचायतों में कुल 2151 आवदेन- पत्र प्राप्त किया गया। इस मौके पर जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष कालेश्वर सोरेन, झामुमो युवा नेता रामकृष्ण हेम्ब्रम, कमीशन सोरेन, सविता सोरेन, मानव कुमार गण, संजीव कुमार दास, जितेंद्र कुमार साह, जेई अनिकेत गुप्ता आदि मौजूद थे।

रिजवान की जमीन विवाद का मामले में जांच शुरू

साहिबगंज: नगर परिषद क्षेत्र के एलसी रोड स्तिथ स्वर्गीय मुसर्रत तहसीन जहां उर्फ रिजवान की जमीन विवाद का मामले में जांच शुरू हो गई है। सोमवार को एसडीओ अंगार नाथ स्वर्णकार ,सीओ व नगर पुलिस एलसी रोड़ स्थित मकान में जांच के लिए पहुंचे। जहां एसडीओ व सीओ ने विवादित मकान को चारों ओर से देखा और मोहल्ले वासियों से जानकारी इकट्ठा किए।साथ ही एसडीओ व सीओ ने मकान को खरीदने वाले दावेदार को बुलवाया और पूछताछ की इसके साथ ही मकान के कागजात की जांच पड़ताल किया। इधर कुछ मोहल्ले वासियों ने बताया कि जब शहर के सारे लोग शहीद शाहनवाज के अंतिम यात्रा व मिट्टी देने के लिए ईदगाह गए थे तो इस दौरान जांच करने के लिए पदाधिकारी क्यों आगे और क्या जांच हुआ कुछ स्पष्ट भी नहीं हुआ। मकान में निर्माण का काम लगातार जारी है जब जांच हो रही है तो निर्माण का कार्य बंद होना चाहिए था।लेकिन निर्माण का कार्य लगातार जोरों शोर से चल रहा है। ज्ञात होगी बीते दिनों पहले दर्जनों स्थानीय लोगों ने मकान की खरीद बिक्री को लेकर उपयुक्त हेमंत सती से मिल कर आवेदन दिया था जिसकी जांच के लिए कमेटी बनाई गई थी।

मेला में दहशत फैलाने के लिए दो राउंड की गोलीबारी

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र सकड़ोगढ बड़ी गणेश मंदिर के समीप कुछ अज्ञात लोगों ने दहसत फैलाने के लिए मेला के दौरान दो राउंड गोली बारी कि घटना को अंजाम दिया हैं।सुचना मिलते ही नगर थाना पुलिस एवं जिरवाबाडी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले कि छानबीन में जुट गई।बताया जा रहा हैं कि गणेश पूजा का मेला चल रहा था। बड़ी गणेश प्रतिमा को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही थी। इसी दौरान तीन से चार अज्ञात लोगों ने बड़ी गणेश प्रतिमा के पास आए और किसी से हुए विवाद के कारण एक राउंड फायरिंग कर दिया। जिससे वहां भगदड़ मच गई लोग इधर-उधर भागने लगे। फिर दूसरी राउंड फायरिंग एनआरपी सेंटर स्कूल के बगल वाली गली में होने कि बात सामने आई हैं । इधर नगर पुलिस एवं जिरवाबाडी पुलिस आरोपियों कि गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी किए हैं। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि दो राउंड फायरिंग होने की सूचना मिली थी पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए रात भर छापेमारी की है। गैस गोदाम निवासी बदल पासवान के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

डीसी ने किया स्वीकृति पत्र का वितरण

शिकारीपाड़ा। प्रखंड के खाडुकदमा में सोमवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में पहुँचकर जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया।
इस दौरान उन्होंने सखी मंडल के दीदियों को 3 लाख रुपये का चेक प्रदान किया एवं झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र एवं छात्रों के बीच साईकल का वितरण किया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि आपकी समस्याओं को दूर करने के लिए ही सरकार आपके द्वार पर आयी है।अपने समस्याओं से संबंधित आवेदन स्टॉल पर जमा करें एवं पावती निश्चित रूप से प्राप्त कर लें ताकि भविष्य में आवेदन की ट्रैकिंग आसानी से की जा सके।उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की बच्चियां भी झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं।राज्य सरकार ने उम्र को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया है।18 वर्ष के बच्चियां भी इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लाभुकों से आवेदन प्राप्त किये जा रहे थे।प्रखंड तथा जिला स्तर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर युवक की मौत, विरोध में सड़क जाम

गोड्डा : गोड्डा में ट्रैक्टर की चपेट में आने से गंभीर रूप से जख्मी युवक की मौत हो गई. घटना रविवार देर शाम की है. कनभरा गांव निवासी छोटू साह सब्जी लाने गरबन्ना हाट गया हुआ था. सब्जी लेकर लौटने के क्रम में पीछे से एक ट्रैक्टर ने उसे धक्का मार दिया. युवक छोटू साह धक्का लगने के बाद औंधे मुंह सड़क पर गिर पड़ा. घटना के बाद ट्रैक्टर चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया. सड़क से गुजरने वाले लोगों ने भी घायल को अस्पताल नहीं पहुंचाया. काफी देर बाद सूचना मिलने पर कनभरा गांव के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और युवक को सदर अस्पताल ले गए. तब तक काफी देर हो चुकी थी. डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया. सोमवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.
घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर सोमवार को गोड्डा-महगामा मुख्य मार्ग पर शव रखकर सड़क जाम कर दी. दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई. सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया. छोटू साह दैनिक मजदूर था. वह मजदूरी कर पत्नी व दो छोटे-छोटे बच्चो का जीवन यापन कर रहा था. उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है.

एक पौधा अपने घरों में लगाएं, मुफ्त में ऑक्सीजन, फल व फूल का लाभ लें : प्रमोद

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता की ओर गंगा हरित ग्राम अभियान के तहत मंगलवार को पांचवे दिन 40 शहरवासियों के बीच पौधारोपण सह पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन शहर के भरतीया रोड स्थित बाबूलाल नंदलाल बोरा चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर में आयोजित किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि जिला समाज कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद थे। *जिला कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि एक पौधा अपने घरों में लगाएं और मुफ्त में ऑक्सीजन, फल, फूल का आनंद ले। पौधारोपण करना अपने इच्छा के ऊपर है। पौधारोपण को लेकर जन जागरूकता फैलाना है। गंगा मिशन की ओर से पौधा वितरण व पौधारोपण का कार्यक्रम जन जागरूकता का बेहतर कार्य हो रहा है। वृक्ष से ही हमलोग को सब कुछ मिलता है। मुफ्त में रोग का इलाज का दवाई पत्ता के रूप में छाल के रूप में, जड़ के रूप में मिलता है। पेड़ पौधा से वातावरण हरा भरा रहता है। वर्षा जल संचयन व जल संरक्षण होता है। शहरवासी ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधा लगाए और अपने शहर को हरा भरा स्वच्छ सुंदर बनाए। पेड़ पौधा से ही हमारी पहचान है। पेड़ के साथ इंसान और घर की पहचान होती है। पेड़ पौधा हर घर में लगाए।वही आज लगभग 350 पौधा जिसमे नीम, पीपल, नारियल, नींबू, आम, अर्जुन, शरीफा, अनार, कटहल, मोहग्नी, जामुन, बेल का वितरण किया गया। वही नगरपालिका कन्या उच्च विद्यालय नयाटोला ओर अपग्रेड हाई स्कूल बांझी को 10 - 10 पौधा स्कूल में पौधारोपण के लिए उनके प्राचार्य को जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद के हाथो दिया गया। *वही चंद्रेश्वर प्रसाद सिन्हा ने कहा कि गंगा मिशन के राष्ट्रीय सचिव प्रहलाद राय गोयंका की प्रशंसा की ओर कहा कि शहर को हरा भरा करने की सोच और फलदार पौधारोपण, पौधा वितरण करने का कार्य सराहनीय है। वही जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद सहित अन्य ने शहरवासियों के बीच फलदार पौधा का वितरण किया। जिला कल्याण पदाधिकारी को भी पांच फलदार पौधा दिया गया। उन्होंने अपने आवासीय परिसर में नींबू, अमरूद का पौधारोपण किया।वही मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यो के प्रयास से कार्यक्रम सफल हुआ। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच की अध्यक्ष सारिका सुरेका, रतन अग्रवाल, नवीन कुमार, सुरेश निर्मल, धनेशर पंडित, प्रमोद पांडे, मीरा तोदी, बबिता अग्रवाल, विष्णुदेव सिंह, प्रदीप साह, मनोज पासवान, कन्हैया खुडानिया, विनोद कुमार सहित अन्य थे।

प्राध्यापकों ने कुलपति से मिलकर पुरानी पेंशन योजना लागू करने का किया आग्रह

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के 2008 बैच के शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह से मिला तथा उनसे 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने का आग्रह किया। कुलपति प्रो सिंह ने कहा कि इस संबंध में सरकार से विश्वविद्यालय को संकल्प प्राप्त हो चुका है तथा जैसे ही इसे लागू करने से संबंधित पत्र विश्वविद्यालय को प्राप्त होगा, इस संबंध में कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। ज्ञात हो कुछ दिन पूर्व इस संबंध में कैबिनेट से झारखंड सरकार ने अपनी सहमति दे दी है। शिक्षकों ने कुलपति से अवकाश में कटौती के मामले को पुनः राजभवन ले जाने की मांग की तथा इसे पूर्व की भांति लागू करने की मांग की। शिक्षकों ने कहा कि इस आशय का एक ज्ञापन शिक्षक संघ द्वारा राजभवन में कुलाधिपति को पहले ही दिया जा चुका है। शिक्षकों की प्रोन्नति की चर्चा करते हुए कुलपति ने कहा कि शिक्षकों की प्रोन्नति से संबंधित दस्तावेज फरवरी माह में ही विश्वविद्यालय से जेपीएससी को भेज दिया गया है। प्रो सिंह ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि विवि स्तर से शिक्षकों का कोई भी काम में विलंब नही होगा। कुलपति से मिलने गये शिक्षकों ने विभिन्न अंगीभूत एवं नवनिर्मित मॉडल, महिला एवं डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए 214 आवश्यकता आधारित शिक्षकों की नियुक्ति के कुलपति के प्रयास की सराहना की तथा इसके लिए उन्हें धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. शर्मिला सोरेन, डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ. स्नेहलता मुर्मू, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुशील टुडू, डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, डॉ. पूनम हेम्ब्रम, डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह, डॉ. चंपावती सोरेन, डॉ. रंजना त्रिपाठी एवं डॉ. अजय सिन्हा शामिल थे।

आयुक्त ने किया मतदान केंद्र का निरीक्षण

जामा। संथालपरगना प्रमंडल के आयुक्त लालचंद डाडेल ने सोमवार को दुमका जिला के जामा प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 177 का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संत बालिका उच्च विद्यालय महारो स्थित बूथ संख्या 177 में मौजूद मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। जिसमें रैम्प, बिजली, पानी, शौचालय, भवन आदि का भौतिक निरीक्षण किया और संतोषप्रद पाया। मौके पर मौजूद बीडीओ डॉ. विवेक किशोर से उन्होंने 80 प्लस एवं दिव्यांग मतदाताओं की जानकारी प्राप्त किया। मौके पर बीपीआरओ अशोक कुमार गुप्ता सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

प्राथमिक स्वाबलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : पलाश जेएस एलपीएस अंतर्गत प्रखण्ड तालझारी पंचायत- कल्याणी के मोतीझरना आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्रथमिक स्वाबलंबी सहकारी समिति लिमटेड की वार्षिक आम सभा की गई।इस संकुल में कुल 4 पंचायत के कुल 40 राजस्व ग्राम में कुल 282 एस एचजी में 3867 महिलाएं जुड़ी हुई है। सरकार द्वारा आजीविका बढ़ाने के लिए उद्देश्य से संकुल संगठन द्वारा विभिन्न मद में कम ब्याज में ऋण जैसे समुदायिक निवेश निधि, चक्रीय निधि, कैश क्रेडिट लिंकेज मुहैया करा कर ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका के साथ साथ स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस वार्षिक आम सभा में वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय व्यय को प्रस्तुत किया गया जिसमें सीएल एफ को कुल वार्षिक लाभ 636270 हुआ।संकुल में सामुदायिक स्तर पर कुल लगभग 40 महिला कैडर कार्य कर आजीविका संवर्धन कर स्वयं एवं ग्रामीण क्षेत्र की रलक्ष्से जुड़ी महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है।अभी कुल 40 राजस्व ग्राम में मात्र 237 परिवार छुटे हुए जो जोड़ने का इस वित्तीय वर्ष का लक्ष्य रखा गया है।पलाश जेएस एलपीएस के तहत डीडीयु जीकेवाई एवं आर एस ईआई के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक युवतियों को प्रशिक्षण मुहैया कराकर आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसबीआई के महाराजपुर के शाखा प्रबंधक विक्रांत कुमार,जेआरजीबी के शाखा प्रबंधक संतोष कुमार, कल्याणी पंचायत के मुखिया श्री मोहन मरांडी पलाश जेएसएलपीएस प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सरफराज नवाज, समुदायिक समन्वयक संतोष कुमार, शाहनवाज बीएओ, विभाकांत झा, सीएल एफअध्यक्ष अनिता देवी, सचिव उषा देवी, कोषाध्यक्ष जैनब खातून, बैंक सखी रुकसार, चंदना, तरन्नुम, प्रीती, नूतन, राधा एवं अन्य सैकड़ों सखी मंडल की दीदी उपस्थित हुई।

ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच प्रक्रिया जारी

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : आगामी विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच एफ एलसी की प्रक्रिया आठवां दिन भी जारी रहा।जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह उपायुक्त श्री हेमंत सती की निगरानी में साहेबगंज के ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में यह महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। जांच प्रक्रिया के दौरान, ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया जा रहा है। ताकि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की तकनीकी या भौतिक गड़बड़ी को रोका जा सके।राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मशीनों की सफाई और तकनीकी परीक्षण मॉक पोलिंग, किया जा रहा है।
उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री हेमंत सती ने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच की प्रक्रिया आरंभ मॉक पोलिंग, का जायजा लिया गया, सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिया कि वे पूरी सतर्कता के साथ स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी करें और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तत्पर रहें।
एफएलसी की यह प्रक्रिया 11 सितंबर तक चलेगी, जिसके दौरान सभी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की पूरी तरह से जांच की जाएगी। इसके तहत, मशीनों के तकनीकी और भौतिक हिस्सों का निरीक्षण किया जा रहा है, जिसमें मशीनों की सफाई, मॉक पोलिंग, और सभी आवश्यक तकनीकी परीक्षण शामिल हैं।

बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने पोषण रथ को किया रवाना

जामा। जामा प्रखंड मुख्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी डॉ. विवेक किशोर के द्वारा पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सीडीपीओ ने बताया कि पोषण रथ के द्वारा विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्र में गर्भवती, धात्री, किशोर किशोरियों को पोषण को लेकर जागरूक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार लेना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित आहार और भी महत्पूर्ण है। क्योंकि गर्भवती महिला जो आहार लेती है उसके बच्चे के लिए पोषक तत्वों का मुख्य स्रोत होता है। बच्चे के दिमाग का विकास होता है। सही पोषण से बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है और बच्चे बार बार बीमार नही पड़ते हैं। मौके पर सीनी के जिला समन्वयक सोमनाथ मंडल ने कहा कि पोषण रथ के अलावे भी बाकी आंगनबाड़ी में किशोर किशोरियों के द्वारा नुक्कड़ नाटक, आंगनबाड़ी सेविका द्वारा आहार विविधता टीएचआर से बने भोजन का प्रदर्शन किया जायेगा। मौके पर पदाधिकारी के अलावे कार्यालय कर्मी विष्णु कुमार रुज, महिला प्रवेक्षिका शर्मिला मुर्मू , पाले किस्कू, चंदन कुमार केशरी, बेबी देवी, सेविका रंजू देवी, मंजू देवी आदि मौजूद थे।

जन-जन का मन झामुमो को समर्थन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : उधवा प्रखंड में मंगलवार को चौथी बार हेमंत सरकार आ गई ।आपके द्वारा आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के आठवां दिन राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 12,13,14 बस अड्डा मटियाल परिसर राजमहल प्रखंड के तेतुलिया पंचायत, समसपुर पंचायत उधवा प्रखंड के पश्चिम उधवा पंचायत में उपस्थित रहा याद रहे आज 10 सितंबर को राजमहल प्रखंड में पश्चिमी जामनगर पंचायत, पश्चिमी नारायणपुर पंचायत उधवा प्रखंड में राधानगर पंचायत,उत्तम बेगमगंज पंचायत साहिबगंज में हाजीपुर पूरब पंचायत में कार्यक्रम होना है।

बाइक की चोरी

जामा। थाना क्षेत्र के आसनसोल कुरवा पंचायत के महुआटांड हटिया के पास से शनिवार शाम को अज्ञात चोरों ने एक बाइक का चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार गड़गड़ीया गांव के मनोज कुमार राउत काड़रासाल स्थित अपने गेट ग्रिल का दुकान बंद कर शाम को घर जाने के क्रम में महुआटांड हटिया के पास रुबीमान सोरेन के नया घर के सामने बाइक खड़ा कर घुसा। बीस मिनट के पश्चात बाहर निकला तो नियत स्थान पर बाइक नहीं था। बाइक का लॉक तोड़कर अज्ञात चोर ने बाइक नंबर जेएच 04 जी/9051 का चोरी कर लिया था।काफी खोजबीन करने के बाद भी जब बाइक का कहीं पता नहीं चला तो रविवार को थाना पुलिस को लिखित रूप से घटना की जानकारी दिया गया।

डीसी ने की शिक्षा परियोजना कार्यों की समीक्षा

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती के अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में जिला शिक्षा परियोजना संबंधित कार्यों कि समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी कार्यो की समीक्षा क्रमवार की जिनमें शिक्षक की उपस्थिति, विद्यालय में विद्यार्थीयों की उपस्थिति, आधार सत्यापन, बैंक एसीसत्यापन,प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निमार्ण जानकारी ली गई।उपायुक्त ने जिला के विद्यालय में एकल शिक्षक एवं अधिकतम विद्यार्थीयों वाले विद्यालय की जानकारी ली गई एवं निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकतम विद्यार्थीयों वाले विद्यालय में शिक्षको को प्रतिनियुक्ति करने को

कहा गया।
समीक्षा के क्रम में तालझारी, बोरियो, मंडरो, के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में कमी पाई गई ।जिसमें उपायुक्त ने संबंधित बीपीओ को अपने कार्य में लापरवाही करने हेतु स्पष्टीकरण समर्पित करने को कहा गया। मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, बीआरपी, जेई एवं अन्य उपस्थित थे।

खजूर के पेड़ से युवक ने फांसी लगा दे दी जान

साहिबगंज/पतना: रांगा थाना के तिलभीठा गांव के पहाड़िया टोला के पास खजूर के पेड़ से फंदे में लटकता शव सोमवार को पुलिस ने बरामद किया है। मृतक की पहचान कुवंरपुर के एमेली सोरेन 37 के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार रांगा थाना पुलिस को सूचना मिली थी। कि आदिवासी टोला के पास खजूर पेड़ पर एक शव फंदे से लटका है। इस सूचना पर रांगा थाना के एएसआई बबन राम मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। शव की पहचान कुवंरपुर के एमेली सोरेन के रूप में होने पर पुलिस ने उसके परिजनों को घटना की सूचना दी। इधर, परिजन मौके पर पहुंच एमेली सोरेन के शव को देख रोने लगे। परिजनों ने बताया कि एमेली का ससुराल लखीपुर में है। वह तीन दिन पहले घर आया था। घर से ससुराल लखीपुर जाने के नाम पर रविवार को निकला था। परिजनों ने पुलिस को यह भी बताया कि एमेली मानसिक रूप से अस्वस्थ थी । उसने खुद से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली होगी। घटना को लेकर किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराने का आग्रह पुलिस से किया है।

राजकुमार राव के साथ फिल्म में आएंगी नजर तृप्ति डिमरी

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने फिल्म 'एनिमल' से दर्शकों को प्रभावित किया। इस फिल्म के बाद उन्हें 'भाभी-2' से पहचान मिली। देखते देखते तृप्ति डिमरी के पास फिल्मों की कतार लग गई। उन्होंने विक्की कौशल के साथ 'बैड न्यूज' रिलीज की थी। तो अब राजकुमार राव के साथ उनका 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' रिलीज होने जा रही है। हाल ही में इस फिल्म से उनका एक डांस वीडियो वायरल हुआ है। तृप्ति डिमरी का डांस नंबर अभी तक रिलीज नहीं हुआ। आगामी 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में उनकी जोड़ी राजकुमार राव के साथ है। इसमें भी उनका बोल्ड अवतार नजर आया। वायरल वीडियो में नेवी ब्लू टू पीस में वह काफी हॉट और बोल्ड लग रही हैं। वह गाने पर ठुमके लगाती नजर आ रही हैं। तृप्ति डिमरी 'एनिमल पार्क', 'भूलभुलैया-2', 'धड़क-2' में भी नजर आएंगी। इसके अलावा वह 'आशिकी-3' के लिए भी बातचीत कर रही हैं। तृप्ति ने एनिमल से पहले फिल्म 'काला', लैला मजनू', 'बुलबुल' में भी काम किया है। इसमें भी उनका रोल काफी पॉपुलर रहा था

रणबीर कपूर की 'रामायण' की शूटिंग खत्म

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की आने वाली फिल्म 'रामायण' इस समय चर्चा में है। इस फिल्म में रणबीर कपूर श्रीराम की भूमिका में नजर आएंगे और साईं पल्लवी सीता की भूमिका में दिखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसी बीच फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि पहले एपिसोड की शूटिंग पूरी हो चुकी है। रणबीर कपूर के एक्स फैन पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। जिसमें एक्टर एक फैन के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। रणबीर पर्पल हुडी और कैप पहने नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में वह क्रू मेंबर्स के साथ फोटो के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। फोटो में एक बड़ा सेट भी नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि शूटिंग पूरी होने के बाद फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है और फिल्म के वीएफएक्स पर काम शुरू हो चुका है।

'रामायण' का बजट

रिपोर्ट के अनुसार कुछ दिन पहले खबर आई थी कि नितेश तिवारी और उनकी टीम 'रामायण' को दो भाग की सीरीज के तौर पर विकसित कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा साई पल्लवी और सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'रामायण' के दोनों हिस्सों को एक साथ शूट करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि फिल्म की काफी तैयारी हो चुकी है। निमार्ताओं की योजना फिल्म के दोनों हिस्सों को एक साल के भीतर रिलीज करने की है। बॉलीवुड रिपोर्ट के मुताबिक, 'रामायण' के पहले भाग का बजट 835 करोड़ रुपये है।

रणबीर कपूर का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर के पास 'रामायण' के अलावा दो और फिल्में हैं। इसमें एनिमल पार्क और लव एंड वॉर शामिल हैं। ये फिल्में बैक टू बैक सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। रणबीर कपूर आखिरी बार एक्शन-थ्रिलर 'एनिमल' में नजर आए थे, जिसने दुनिया भर में 900 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

अक्षय ने फिल्म 'भूत बांग्ला' का किया ऐलान

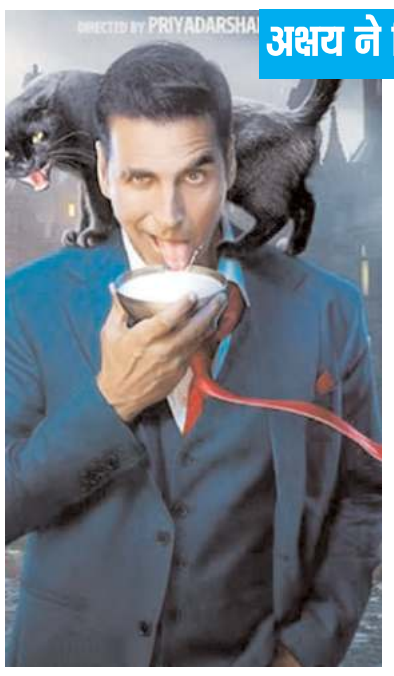

डायरेक्टर प्रियदर्शिन ने 'हेराफेरी', 'फिर हेरा फेरी', 'भागम भाग', 'भूल भुलैया', 'खट्टा मीठा' जैसी सुपरहिट कॉमेडी फिल्में दी हैं। दर्शकों को हंसाने वाली प्रियदर्शन की फिल्मों में एक एक्टर जरूर आता है अक्षय कुमार। हालांकि, साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'खट्टा मीठा' के बाद इस जोड़ी की कोई नई फिल्म नहीं आई। दर्शक इन दोनों की नई फिल्म के लिए उत्सुक थे। आखिर इंतजार खत्म हुआ। प्रियदर्शन-अक्षय 14 साल बाद साथ आ रहे हैं और आने वाली फिल्म 'भूत बांग्ला' की घोषणा हो गई है।

भूत बांग्ला फिल्म की शानदार घोषणा : अक्षय कुमार अपने जन्मदिन के मौके पर फिल्म 'भूत बांग्ला' का मोशन पोस्टर रिलीज किया। इस पोस्टर में अंधेरी रात, चांद, पुराना महल और दूध चाटते अक्षय कुमार को देखा जा सकता है। उनके कंधे पर एक काली बिल्ली बैठी नजर आ रही है। इस पोस्टर ने सभी का ध्यान खींचा है। अक्षय कुमार का नया लुक भी फैंस को काफी पसंद आया है। इस तरह 14 साल बाद अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की जोड़ी हॉरर कॉमेडी के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की 'भूत बांग्ला' क्रिसमस 2025 में रिलीज होगी। यानी दर्शकों को इस फिल्म के लिए एक साल और इंतजार करना पड़ेगा। इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। फिल्म को एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में अक्षय के साथ और कौन से कलाकार नजर आएंगे? मुख्य अभिनेत्री कौन होगी? जल्द ही इसका खुलासा किया जाएगा। अक्षय-प्रियदर्शन की 'भूल भुलैया' फिल्म मशहूर है। 'भूत बांग्ला' यह इतिहास दोहराएगी या नहीं यह तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा।

करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स सिनेमाघर में देखने लायक हैं फिल्म

करीना कपूर खान की द बकिंघम मर्डर्स इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में आने वाली है। इस रहस्य थ्रिलर के ट्रेलर ने अपने रहस्य और तीव्रता से दर्शकों को रोमांचित कर दिया है, जिससे दर्शकों में एक अलग ही उत्साह का संचार हुआ है। ट्रेलर को लोगों ने काफी पसंद किया, जिससे यह फि ल्म एक ऐसी रहस्य थ्रिलर बन गई है जिसे जरूर देखना चाहिए। इस हफ़्ते रिलीज होने से पहले, आइए कुछ वजहों पर नजर डालते हैं कि क्यों द बकिंघम मर्डर्स इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में जरूर देखने लायक है।

1. ओरिजिनल कंटेंट

द बकिंघम मर्डर्स में बिल्कुल नया और ओरिजिनल कंटेंट है। कहानी नई है और पहले कभी नहीं देखी गई। जैसा कि ट्रेलर में दिखाया गया है, फि ल्म में कई उतार-चढ़ाव हैं, जो दर्शकों को एक दिलचस्प कहानी सुनाते हैं।

2. एक मनोरंजक और भावनात्मक कथानक

यह फि ल्म जसमीत भामरा उर्फ जैज की कहानी है, जो एक पुलिस अधिकारी और अकेली माँ है, जिसने हाल ही में गोलीबारी में अपने बच्चे को खो दिया है। करीना कपूर खान द्वारा अभिनीत, उनके किरदार के ताजा घाव तब फिर से खुल जाते हैं जब उन्हें एक लापता बच्चे का मामला सौंपा जाता है। कहानी आश्चर्यों से भरी है, जो इसे मनोरंजक और भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाली बनाती है।

3. करीना का प्रोडक्शन में पहला कदम

बकिंघम मर्डर्स के साथ, करीना कपूर खान एक निमार्ता के रूप में अपनी शुरूआत कर रही हैं। अभिनेत्री 25 वर्षों से मुख्य भूमिका में लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं, लेकिन यह फि ल्म उनके करियर में एक विशेष मोड़ है। उन्होंने निमार्ता के रूप में अपनी पहली परियोजना के लिए एक अलग शैली- रहस्य थ्रिलर- को चुना है।

4. अंतर्राष्ट्रीय अपील वाली फि ल्म

बकिंघम मर्डर्स ने निश्चित रूप से इत्रक्कलंदन फि ल्म फेस्टिवल 2023 में अपने वैश्विक प्रीमियर के साथ अपनी अंतर्राष्ट्रीय अपील साबित कर दी है। इसे वैश्विक मंच पर जबरदस्त सकारात्मक समीक्षा और प्रतिक्रिया मिली। फिल्म को 2023 मुंबई फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया गया।

5. पुलिस अधिकारी के रूप में करीना कपूर खान

करीना को अक्सर अपनी फिल्मों में खुशमिजाज किरदार निभाते हुए देखा जाता है, जैसे पू और गीत, लेकिन इस बार वह एक बहुत ही गंभीर परिदृश्य में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। दर्शकों को करीना का एक अलग रूप देखने को मिलेगा और वह इसे बखूबी निभा रही हैं।

6. यह फिल्म आपको अपनी सीट से बांधे रखेगी

बकिंघम मर्डर्स एक ऐसी दमदार, दमदार और रोमांचक थ्रिलर होने का वादा करती है, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म के ट्रेलर ने पहले ही एक बेहद मनोरंजक और सस्पेंस से भरपूर रहस्य थ्रिलर के लिए माहौल तैयार कर दिया है।

7. वीरे दी वेडिंग और क्रू के बाद एकता आर कपूर और करीना कपूर खान का सहयोग

यह फिल्म मनोरंजन जगत की दो बड़ी हस्तियों: निमार्ता एकता आर कपूर और करीना कपूर खान के बीच एक और सहयोग को दशार्ती है। वीरे दी वेडिंग और क्रू जैसी दिलचस्प कॉमेडी ड्रामा देने के बाद, वे अब एक अलग शैली में कदम रख रहे हैं। हमें यकीन है कि वे एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लेंगे।

यूएस ओपन से जल्दी बाहर होने के बाद डेविस कप के लिए तैयार कार्लोस अल्कराज

मैड्रिड। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज इस सप्ताह के अंत में डेविस कप के ग्रुप चरण में स्पेन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। स्पेन का कठिन ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य और फ्रांस से मुकाबला होगा, जिसके मैच वालेंसिया में खेले जाएंगे। सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में, अल्कराज से यूएस ओपन में दूसरे दौर में निराशाजनक हार के बाद उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया। उन्होंने स्वीकार किया कि, न्यूयॉर्क में, वह उस स्तर पर खेलने में कामयाब नहीं हुए जो उन्हें पसंद था। उन्होंने कहा, 'उस स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल है जो आप हर दिन चाहते हैं, और आपको करना होगा चीजें जैसी भी आएं उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार रहें।' अल्काराज ने कहा कि प्रशिक्षण में कमी और बहुत तीव्र गर्मी के कारण बाद उनमें तैयारी की कमी थी, उन्होंने जोर देकर कहा कि हालंकि अब वह ₹घर पर डेविस कप खेलने के लिए अच्छा और प्रेरित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मानसिक रूप से मैं सुधार जारी रखने के लिए बहुत उत्सुक और प्रेरित हूं, और शारीरिक रूप से मैंने डेविस कप और जो आने वाला है उसका सामना करने के लिए न्यूयॉर्क में हारने के बाद से अच्छा काम किया है।'

अल्काराज ने खुलासा किया कि बोटिक वैन डे जैंडस्चुल्प से यूएस ओपन में हार के बाद, वह अन्य रुचियों के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा, 'मेरे पास अपने दिमाग को शांत करने के लिए कुछ दिन थे। लेकिन हमने सोचा कि सबसे अच्छी बात प्रशिक्षण पर वापस जाना और शारीरिक रूप से फिट होना है।'

अमेरिका कप नौकायन

फ्रेंच ओरिएंट एक्सप्रेस यॉट बाहर आईएनईओएस-ब्रिटानिया बोट शीर्ष पर

नई दिल्ली। बार्सिलोना में चल रहे अमेरिका कप में सोमवार को दूसरे राउंड-रॉबिन श्रृंखला में रेसिंग के आखिरी दिन के बाद बाहर होने वाली छह उम्मीदों में से फ्रेंच ओरिएंट एक्सप्रेस यॉट पहली थी। अमेरिका कप एक नौकायन प्रतियोगिता है और किसी भी खेल में अभी भी संचालित होने वाली सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। बार्सिलोना में खराब मौसम के कारण रविवार की रेस स्थगित होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना के लिए फ्रांसीसियों को जीत की जरूरत थी, लेकिन उन्हें ब्रिटेन की आईएनईओएस-ब्रिटानिया बोट ने हराया और छह-नौका समूह में दो राउंड रोबिन श्रृंखला में से केवल एक जीत के साथ अंतिम स्थान पर रहने के बाद बाहर हो गए। दिन की दूसरी दौड़ में स्विट्जरलैंड की अलिंगी रेड बुल रेसिंग नौका का सामना करने की तैयारी में कोर्स की सीमाओं से परे जाने के बाद इतालवी लूना रॉसा प्रादा पिरेली को अयोग्य घोषित कर दिया गया। स्विस को अब सेमीफाइनल में जगह मिल गई है, लेकिन अयोग्यता का मतलब है कि लूना रॉसा ने समूह में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। सोमवार की अन्य रेस का क्वालीफिकेशन पर कोई असर नहीं पड़ा और टीम एमिरेट्स-न्यूजीलैंड ने एनवाईसी अमेरिका मैजिक को हरा दिया।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मायर, कैस्पर्क न्यूजीलैंड टीम में शामिल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात में आगामी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज रोजमेरी मायर और ऑफस्पिनर लेघ कैस्पर्क को शामिल किया है। इस साल की शुरूआत में मार्च में इंग्लैंड के न्यूजीलैंड दौरे के टी20ई चरण के दौरान मायर को पीठ में चोट लग गई थी, जिससे वह बाद के एकदिवसीय मैचों और फिर जून-जुलाई में वापसी दौरे से बाहर हो गईं। दूसरी ओर, ऑफ स्पिनर कैस्पर्क ने इंग्लैंड की उस यात्रा के टी20ई चरण में एक साल के बाद न्यूजीलैंड में वापसी की, और वह विश्व कप में टीम के स्पिन रिजर्व को मजबूत करेंगी जो कि उनका चौथा विश्व कप होगा। इस बीच, सोफी डिवाइन, जो टूर्नामेंट के बाद टी20ई कप्तानी छोड़ देंगी ने कहा, 'महिलाओं के खेल के विकास में टी20 विश्व कप एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है और यह सोचना मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि जब से इसकी शुरूआत हुई है तब से मैं इसमें खेल रही हूं।'उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के एक और अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं जो ट्रॉफी घर ले जाने की होड़ में हैं।' मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, 'मैं वास्तव में इस टीम से खुश हूं, मुझे लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी हैं जो संभावित विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल ढल जाएंगे।' विश्व कप के लिए रवाना होने से पहले यही टीम 19 से 24 सितंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी खेलेगी। विश्व कप में न्यूजीलैंड मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में है। वे अपने दो अभ्यास मैच दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे और 4 अक्टूबर को भारत के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरूआत करेंगे।

न्यूजीलैंड की टीम: सोफी डिवाइन (कप्तान), सुजी बेट्स, एडेन कार्सन, इजी गेज (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, फ्रैन जोनास, लेह कैस्पर्क, जेस केर, मेली केर, रोजमेरी मायर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्नाह रोवे, ली ताहुहु।

आईआईटी गुवाहाटी के हॉस्टल में मिली छात्र की लाश, साल की चौथी ऐसी घटना, विरोध प्रदर्शन जारी

1,लीड

गुवाहाटी: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के तीसरे वर्ष के कंप्यूटर साइंस के छात्र को सोमवार (9 सितंबर) को अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। मृतक उत्तर प्रदेश का रहने वाला था, जो ब्रह्मपुत्र छात्रावास के अपने कमरे में मृत पाया गया। इस बीच, पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और एक अधिकारी के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

आईआईटी-गुवाहाटी (आईआईटीजी) में इस साल किसी छात्र की यह चौथी मौत है। 9 अगस्त को एक छात्रा कथित तौर पर अपने कमरे में लटकी हुई पाई गई थी। जैसे ही मौत की खबर फैली, छात्रों का एक समूह प्रशासनिक भवन के सामने इकट्ठा हो गया और मृतक के लिए न्याय और आईआईटीजी में पढ़ने वाले छात्रों के लिए आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सहायता की मांग करने लगा। एक प्रदर्शनकारी छात्र ने दावा किया, मृत छात्र शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित था और मानसिक रूप से परेशान था। उसका इलाज चल रहा था और वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ था।

छात्र की मौत पर विरोध प्रदर्शनः आईआईटीजी में प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्र द्वारा आवश्यक चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बावजूद, उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे उसके मानसिक स्वास्थ्य में और गिरावट आई। दुखद घटना के बाद, छात्र कल्याण के डीन ने आंदोलनकारी छात्रों से बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी छात्रों की शारीरिक और मानसिक भलाई संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीन ने छात्र कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य सहायता से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

आईआईटीजी ने बयान जारी कियाः संस्थान के एक प्रवक्ता ने कहा आईआईटीजी को हमारे समुदाय के एक छात्र की मौत की सूचना देते हुए गहरा दुख हुआ है। हम इस कठिन समय में छात्र के परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की भलाई आईआईटीजी की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह छात्रों को उनके सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए समर्थन और संसाधन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने क्षमता विस्तार के लिए 2,359 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को दी मंजूरी

नयी दिल्ली : जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अपने जयगढ़ और धरमतार बंदरगाह पर क्षमता विस्तार के लिए 2,359 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को मंजूरी दी है। जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि उसकी योजना वित्त वर्ष 2029-30 तक मौजूदा क्षमता को 17 करोड़ टन सालाना से बढ़ाकर 40 करोड़ टन करने की है। इस योजना के तहत संबंधित सहायक कंपनियों के बोर्ड ने 3.6 करोड़ टन प्रतिवर्ष (धरमतार में 2.1 करोड़ टन और जयगढ़ में 1.5 करोड़ टन) की कुल क्षमता विस्तार योजना को मंजूरी दी है। इस पूंजीगत व्यय योजना में नए बर्थ के लिए मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य और तीसरे पक्ष की कार्गो आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए जयगढ़ बंदरगाह पर रेलवे साइडिंग जैसा अतिरिक्त बुनियादी ढांचा शामिल हैं। बयान के अनुसार, इस विस्तार से जयगढ़ बंदरगाह की कुल क्षमता मौजूदा 5.5 करोड़ टन प्रतिवर्ष से बढ़कर सात करोड़ टन प्रतिवर्ष हो जाएगी और धरमतर बंदरगाह की क्षमता मौजूदा 3.4 करोड़ टन प्रतिवर्ष से बढ़कर 5.5 करोड़ टन प्रतिवर्ष हो जाएगी।

मणिपुर में भड़की हिंसा, राजभवन पर पथराव, 20 लोग घायल, जान बचाकर भागे सुरक्षाकर्मी

नई दिल्ली: मणिपुर में राज्यपाल और डीजीपी के इस्तीफे की मांग कर रहे स्टूडेंट्स का प्रदर्शन सोमवार को हिंसक हो गया। सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने राजभवन के मुख्य दरवाजे पर पत्थर फेंके। इस दौरान मौजूद सुरक्षाकर्मी अपनी जान बचाकर वहां से भागते दिखे। इस हमले में 20 लोग जख्मी हुए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट दागे। मैतेई समुदाय के ये छात्र राज्य में बढ़ती हिंसक घटनाओं और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर 8 सितंबर से ही छात्र सड़कों पर हैं। इसमें स्थानीय लोग भी शामिल हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। ये गवर्नर और सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सोमवार को सुरक्षाबलों ने ज्ञापन सौंपने की मांग पूरी कर दी, इसके बाद भी स्टूडेंट्स सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक वे यहां डटे रहेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षाबलों के साथ झड़प भी हुई। स्टूडेंट्स 1 और 3 अगस्त को मैतेई इलाकों में हुए ड्रोन हमलों का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने सेंट्रल फोर्सेस पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए उनसे राज्य छोड़कर जाने की मांग की। साथ ही राज्य के 60 में से 50 मैतेई विधायकों से अपना रुख स्पष्ट करने या इस्तीफा देने को कहा है।

महाराष्ट्र बीजेपी चीफ के बेटे की ऑडी ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर, 2 गिरफ्तार

नागपुर : नागपुर के रामदासपेठ इलाके में एक लग्जरी ऑडी कार ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे दो लोग घायल हो गए। कार का मालिक, महाराष्ट्र बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले के बेटे संकेत बावनकुले के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस घटना के बाद पुलिस ने ड्राइवर अर्जुन हावरे और एक अन्य व्यक्ति रोनित चित्तमवार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि संकेत बावनकुले समेत अन्य तीन लोग घटनास्थल से भाग गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना की शुरूआत रात करीब 1 बजे हुई जब ऑडी कार ने जीतेंद्र सोनकांबले की कार और एक मोपेड को टक्कर मारी। इसके बाद कार ने मनकापुर इलाके की ओर जाते हुए कुछ और वाहनों को टक्कर दी और एक पोलो कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पोलो कार के सवारों ने ऑडी का पीछा किया और मनकापुर पुल के पास उसे रोक लिया। इस दौरान, कार में सवार तीन लोग फरार हो गए।

सीताबर्डी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि ड्राइवर अर्जुन हावरे और रोनित चित्तमवार को गिरफ्तार कर तहसील पुलिस स्टेशन लाया गया, और बाद में उन्हें सीताबर्डी पुलिस को सौंप दिया गया। दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया है, जबकि आगे की जांच जारी है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, चंद्रशेखर बावनकुले ने स्वीकार किया कि ऑडी कार उनके बेटे के नाम पर रजिस्टर्ड है। उन्होंने पुलिस से बिना किसी पक्षपात के घटना की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

हरियाणा विस चुनाव 2024

गौरक्षक बिट्टू बजरंगी चुनावी मैदान में उतरे, फरीदाबाद से नामांकन किया दाखिल

नयी दिल्ली: हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गौरक्षक बिट्टू बजरंगी उर्फ ??राजकुमार पंचाल ने सोमवार (9 सितंबर) को फरीदाबाद के एनआईटी विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। गौरतलब है कि वह पिछले साल जुलाई में हुई नूंह हिंसा मामले में भी आरोपी है। आधिकारिक बयान में जिला चुनाव अधिकारी विक्रम सिंह ने पुष्टि की कि बजरंगी ने एनआईटी फरीदाबाद सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया है।

गौ रक्षा बजरंगी फोर्स के संस्थापक बजरंगी का विवादों से पुराना नाता रहा है। वह नूंह हिंसा मामले में खास तौर पर आरोपी है, जो पिछले साल जुलाई में विश्व हिंदू परिषद के जुलूस पर भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद भड़की थी। ऐसी घटनाओं में बजरंगी की संलिप्तता ने उसे सुर्खियों में बनाए रखा है, जिससे उसकी गतिविधियों और संबद्धता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

नूंह मामले में बजरंगी की संलिप्तता: पिछले साल अगस्त में नूंह पुलिस ने भड़काऊ भाषण देने के आरोप में बजरंगी को गिरफ्तार किया था। पिछले साल 31 जुलाई को नूंह में भड़की हिंसा में दो होमगार्ड समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। हिंसा राज्य के अन्य इलाकों में भी फैल गई थी। गुरुग्राम में एक मस्जिद में आगजनी की कई घटनाओं के बीच नायब इमाम की हत्या कर दी गई। इस साल जुलाई में फरीदाबाद में बजरंगी के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए थे।

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024: भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आज (31 अगस्त) हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतदान की तारीख को इस साल 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक संशोधित किया है। साथ ही जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभाओं के लिए मतगणना 4 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक स्थानांतरित कर दी है। यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं दोनों का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने ईसीआई के अनुसार अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है।

सीएम नीतीश की सुरक्षा में बड़ी चूक, कार्यक्रम से वापस जाने से पहले ही गिरा वेलकम गेट

टनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा से संबंधित एक और बड़ी चूक सामने आई है। सार्वजनिक स्थल से निकलने से कुछ सेकंड पहले जद-यू नेता के काफिले के सामने एक स्वागत द्वार गिर गया, जहां सीएम ने बाढ़ क्षेत्र में दो सरकारी भवनों का उद्घाटन किया। मिली जानकारी के मुताबिक, बाढ़ के बेलछी प्रखंड में नवनिर्मित ब्लॉक और थाना भवनों के उद्घाटन समारोह के बाद सीएम का काफिला निकलने ही वाला था, तभी यह हादसा हुआ। हालांकि, जैसे ही सीएम का काफिला निकलने वाला था, तभी कार्यक्रम स्थल पर सड़क किनारे बना गेट अचानक हवा के झोंके से गिर गया। वहीं, सुरक्षाकर्मियों के साथ मौके पर मौजूद लोगों ने काफिले को गुजरने देने के लिए तुरंत स्वागत गेट को पकड़ लिया। हालाँकि, इस घटना से उपस्थित अधिकारियों में काफी दहशत फैल गई। इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि घटना का वीडियो, जो अब सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, दिखाता है कि काफिले को गुजरने के लिए सड़क साफ होने से पहले कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा। इससे पहले नीतीश ने एक अणे मार्ग से मोबाइल पशु चिकित्सा कॉल सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर 534 मोबाईल पशु चिकित्सा इकाइयों (वाहनों) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन इकाइयों के परिचालन से सुदूर इलाकों से बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय तक लाने में होने वाली कठिनाइयों से पशुपालकों को राहत मिलेगी एवं बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय लाने में लगने वाले समय एवं व्यय की बचत होगी।

यागी चक्रवात का कहर, पुल ढहने से 59 लोगों की मौत, बस और कारें बाढ़ में बहीं

वियतनाम : तूफान के बाद हुई भारी बारिश के कारण सोमवार को बाढ़ में एक पुल ढह गया और एक बस बह गई, जिससे दक्षिण पूर्व एशियाई देश में कम से कम 59 लोगों की मौत हो गई और निर्यात-केंद्रित उत्तरी औद्योगिक केंद्रों में व्यवसाय और कारखाने बाधित हो गए। राज्य मीडिया वीएन एक्सप्रेस ने बताया कि उष्णकटिबंधीय अवसाद में कमजोर होने से पहले शनिवार को वियतनाम में टाइफून यागी के पहुंचने से नौ लोगों की मौत हो गई और इसके परिणामस्वरूप आई बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 50 अन्य लोगों की मौत हो गई। उत्तरी वियतनाम में कई नदियों का जल स्तर खतरनाक रूप से ऊँचा था। पहाड़ी काओ बांग प्रांत में भूस्खलन के कारण 20 लोगों को ले जा रही एक यात्री बस बाढ़ वाली धारा में बह गई। बचावकर्मी तैनात किए गए लेकिन भूस्खलन ने उनका रास्ता रोक दिया। फु थो प्रांत में लाल नदी पर बना एक स्टील पुल सोमवार सुबह ढह जाने के बाद बचाव अभियान जारी है। रिपोर्टों में कहा गया है कि दो मोटरसाइकिलों के साथ 10 कारें और ट्रक नदी में गिर गए।

अमेरिका में बोले राहुल गांधी

मुझे नहीं लगता निष्पक्ष चुनाव में बीजेपी 246 सीटों के आसपास पहुंच पाती

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। इस दौरान वो आरएसएस पर भी हमलावर रहे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, चुनाव से तीन महीने पहले हमारे सभी बैंक खाते सील कर दिए गए थेङ्घ हम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि अब क्या करना है। मैंने कहा देखेंगे, देखते हैं हम क्या कर सकते हैं और हम चुनाव में उतर गए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, चुनावों के बाद कुछ तो बदल गया है। कुछ लोगों ने कहा कि ह्यडर नहीं लगता अब, डर निकल गया अब। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि भाजपा और पीएम मोदी ने इतना डर ??फैलाया, छोटे कारोबारियों पर एजेंसियों का दबाव बनाया, सब कुछ सेकंड में गायब हो गया। उन्हें यह डर फैलाने में वर्षों लग गए और वे कुछ ही सेकंड में गायब हो गया। संसद में, मैं प्रधानमंत्री को सामने देखता हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि पीएम मोदी का विचार, 56 इंच का सीना, ईश्वर से सीधा संबंध, यह सब अब खत्म हो गया है, यह सब अब इतिहास है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरएसएस पर कहा, आरएसएस का कहना है कि कुछ राज्य अन्य राज्यों से कमतर हैं, कुछ भाषाएं दूसरी भाषाओं से पीछे हैं, कुछ धर्म दूसरे धर्मों के बराबर नहीं हैं, और कुछ समुदाय दूसरे समुदायों से कमतर हैं हर राज्य का अपना इतिहास, परंपरा है आरएसएस की विचारधारा है।

भारतीय सेना के सामने थर्राएंगे दुश्मन

सुखोई विमानों के इंजन सौदे पर सरकार की मुहर, 26 हजार करोड़ में हुई डील

नई दिल्ली : देश की रक्षा क्षमता को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रक्षा मंत्रालय और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने सुखोई-30 विमानों के लिए 240 एल-31 एफपी एयरो इंजन की खरीद के लिए 26,000 करोड़ रुपये की डील पर हस्ताक्षर किए हैं। यह करार सोमवार को रक्षा मंत्रालय और एचएएल के सीनियर अधिकारियों के बीच सम्पन्न हुआ, जिसमें डिफेंस सेक्रेटरी गिरिधर अरमाने और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी भी मौजूद थे।

इस करार के अनुसार, एचएएल प्रत्येक वर्ष 30 एयरो इंजन की आपूर्ति करेगा, और सभी 240 इंजनों की सप्लाई अगले 8 वर्षों में पूरी की जाएगी। इन इंजनों का निर्माण एचएएल के कोरापुट डिवीजन में किया जाएगा। रिपोर्टों के मुताबिक, इन एयरो इंजनों में 54 प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी होगी, जो एयरो-इंजन के प्रमुख घटकों के स्वदेशीकरण के कारण संभव हो पाया है।

सुखोई-30 मार्क 1 भारतीय वायुसेना के सबसे शक्तिशाली और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बेड़े में शामिल है। नए एयरो इंजन भारतीय वायुसेना के इस बेड़े की संचालन क्षमता को बनाए रखने में मदद करेंगे और इसके निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करेंगे। इस महत्वपूर्ण डील से देश की रक्षा तैयारियों को और भी मजबूती मिलेगी।

बिहार के छपरा में सनसनीखेज मामला

यू-ट्यूब देखकर सर्जरी कर रहा था डॉक्टर, 15 वर्षीय मरीज की हुई मौत

पटना: बिहार के सारण जिले के छपरा शहर से सामने आई एक चौंकाने वाली घटना में, एक 15 वर्षीय लड़के की यूट्यूब वीडियो देखकर एक डॉक्टर द्वारा किडनी स्टोन की सर्जरी करने के बाद मौत हो गई। मृतक लड़के के दादा ने एक वीडियो में दावा किया है कि लड़के की सर्जरी करते समय डॉक्टर एक यूट्यूब वीडियो देख रहे थे और उसकी नकल कर रहे थे। लड़के के दादा प्रल्हाद प्रसाद शाह बताया ने यह भी कहा कि जब उन्होंने डॉक्टर को बताया कि सर्जरी के बाद लड़के के पेट में असहनीय दर्द हो रहा है तो डॉक्टर ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

दादा ने बताया कि डॉक्टर ने यूट्यूब पर एक वीडियो देखकर सर्जरी की। उन्होंने यह भी कहा कि जब डॉक्टर से उन्होंने पूछा कि वह सर्जरी करते समय वीडियो क्यों देख रहे थे तो वह उन पर चिल्ला पड़े। इतना ही नहीं, परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद वे लड़के (गोलू शाह) को पास के नर्सिंग होम में डॉक्टर के पास ले गए। परिवार ने आपातकालीन दवा मांगी लेकिन डॉक्टर ने जबरदस्ती लड़के की सर्जरी कर दी। इस मामले को स्थानीय और क्षेत्रीय मीडिया ने भी कवर किया था जहां नकली डॉक्टरों का खतरा एक वास्तविक समस्या के रूप में सामने आया था। उस व्यक्ति ने दावा किया कि पेट में दर्द की शिकायत करने के बाद वे लड़के को तुरंत पटना ले गए। दुर्भाग्यवश, लड़का बच नहीं सका और मर गया।

कोल्हान प्रमण्डल में राजनीति हुई तेज

चम्पाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने से सीएम सरायकेला में निरंतर कर रहे हैं कार्यक्रम

बिनय मिश्रा

राजनीति में कब, कौन, कहाँ, कैसे, किसलिए जैसे शब्द के भ्रमर जाल में दिखायी देता है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि राजनीति में कब, किसे, कौन छोड़ जाए पता नहीं, कौन, किसे जोड़ जाए यह अनायास ही परिस्थिति पर निर्भर करता है। 1991 से लेकर अगस्त 20 तक झामुमो के साथ रहने वाले पूर्व मुख्यमंत्री व झामुमो के वरीय नेता चम्पाई सोरेन के भाजपा में शामिल हो जाने के पश्चात मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन कोल्हान में एक ओर जहां पूर्ण रूप से ध्यान केन्द्रित कर रखा है तथा निरंतर कार्यक्रम और आगमन से राजनीति सक्रियता के साथ-साथ यह भी संदेश दे रहे हैं कि कोल्हान में झामुमो और गठबंधन काफी मजबुत है तथा सरायकेला से झामुमो के मुख्य निगाह और निशाने पर है।

दस सितम्बर को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम वृहत रूप से आयोजित किया गया है तथा डोगो काजु बगान मैदान, सरायकेला-खरसवां में अपराह्न 12.30 बजे आयोजित है। इस कार्यक्रम की सबसे

बड़ी बात यह है कि इस कार्यक्रम में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम के साथ-साथ सरायकेला-खरसवां जिला भी मुख्य रूप से शामिल है तथा इस कार्यक्रम में काबीना मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, बन्ना गुप्ता, दीपक बिरूवा, रामदास सोरेन तो शामिल होंगे ही साथ ही साथ सिंहभूम में सांसद श्रीमती जोबा माझी तथा खूँटी के सांसद कालीचरण मुण्डा के अलावे पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के सांसद विधुत वरण महतो भी आमंत्रित हैं इसके अलावे विधायक सरयू राय, मंगल कालिन्दी, समीर कुमार मोहन्ती, संजीव सरदार, निरल पुर्ती, सुखराम उरांव, सोनाराम सिंकू, सविता महतो, दशरथ गागराई भी उपस्थित रहेंगे।

पुलिस निरीक्षक आनन्द कुमार मिश्रा का जमशेदपुर हुआ तबादला

निधि पाठक

1994 बैच के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी आनन्द कुमार मिश्रा का तबादला राँची जिला से जमशेदपुर जिला हो गया है। छः माह पूर्व श्री मिश्रा राँची जिला में योगदान देने के पश्चात आरगोड़ा थाना के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक बनाये गये थे। अपने पदस्थापना काल के महज छः माह में ही अपने बेहतर कार्य और अपराध नियंत्रण के साथ-साथ बेहतर विधि व्यवस्था स्थापित करने में वे सफल रहे थे। यही नहीं उनके बेहतर कार्यप्रणाली का ही यह परिणाम रहा कि अपराध नियंत्रण, अपराधियों की धर पकड़ तथा खराब चल रहे अपराधियों की भी उन्होंने खुब खोज खबर ली। अरगोड़ा थाना में इनके पदस्थापनाकाल के पश्चात से ही आम लोगों के साथ पुलिस का बेहतर संबंध और विश्वास भी प्रगाढ़ हुआ। हालांकि 1994 बैच के पुलिस निरीक्षक आनन्द कुमार मिश्रा की पदोन्नति भी शीघ्र ही डीएसपी पद पर होनी है। अपने बेहतर कार्यप्रणाली के कारण श्री मिश्रा जहां भी पदस्थापित रहें लोकप्रिय पुलिस पदाधिकारी के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनायी। ऐसे पुलिस अधिकारी से निश्चित तौर पर जिला और विभाग दोनों गौरवान्वित होते हैं। इससे पूर्व श्री मिश्रा सरायकेला-खरसवां जिला में भी पदस्थापित रह चुके हैं और अपने बेहतर कार्य के फलस्वरूप इस जिला में भी लोकप्रिय पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी दमदार और सशक्त पहचान बनाने में सफल रहें वहीं अरगोड़ा थाना में भी इनकी महज छः माह का कार्यकाल ही काफी बेहतर और उत्कृष्ट रहा है।

ग्रामीण विकास मंत्री को 23 को सिमडेगा आने का मिला न्यौता

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने सोमवार को रांची में ग्रामीण विकास मंत्री डा.इरफान अंसारी से मुलाकात की। इस मौके पर विधायक कोंगाड़ी ने मंत्री से क्षेत्र के विकास के लिए नई योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे चर्चा की। विधायक ने कहा कि सिमडेगा जिले के कई इलाकों में पुल पुलिया की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में पुल पुलिया का निर्माण कराया जाए। साथ ही जेएसएलपीएस द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे बताया और सिमडेगा में कार्यक्रम आयोजन की बात कही। साथ ही विधायक ने मंत्री अंसारी को सिमडेगा आने का न्योता दिया। मंत्री ने विधायक कोंगाड़ी को आश्वस्त किया कि सिमडेगा जिले के विकास के लिए वे हमेशा तैयार हैं। साथ ही विधायक ने शहर के खैरन टोली में आयोजित वीर शहीद अब्दुल हमीद स्मृति डे नाइट फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में 23 सितम्बर को सिमडेगा आने का न्योता दिया। मंत्री ने विधायक के आमंत्रण को स्वीकार किया। मंत्री ने कहा कि 23 सितम्बर को सिमडेगा उनके विभाग की प्रमंडलीय स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लेने के बाद प्रतियोगिता के समापन समारोह में भाग लेंगे।

शाहपुर पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

सिमडेगा । आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति सदस्य सह 20 सूत्री सदस्य फिरोज अली मुख्य रूप से उपस्थित हुए। *झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य सह 20 सूत्री सदस्य फिरोज अली* ने कहा क्षेत्र की जनता को स्वावलंबी बनाना,उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना,गरीबी रेखा से दूर करना,हमारे झारखंड के लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी का मुख्य उद्देश्य है।झारखंड राज्य के प्रगति के लिए हेमंत सोरेन की सरकार नित प्रतिदिन काम कर रही है।इस जनता दरबार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच पहुंचकर उनका सरकारी योजनाओं का लाभ देना है।हमारे झारखंड सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की यह उपलब्धि है की चौथी बार हमारी सरकार आपके द्वार तक पहुंच रही है।इस विशेष शिविर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम झारखंड के लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का सरकार राज्य में जब से आया है तभी से यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिला एवं प्रखंड एवं पंचायत पंचायत में महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना,स्वास्थ्य सुरक्षा योजना,अबुआ आवास योजना,मुख्यमंत्री पशुधन योजना,बिरसा हरित ग्राम योजना,किसान क्रेडिट कार्ड योजना,सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,हरा राशन कार्ड,गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना,इस तरह के अनेकों योजना चलाया जा रहा है।माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन प्रदेश की जनता के लिए सदैव चिंतित रहते हैं और उनके विकास के लिए सदैव अग्रसित रहते हैं।सभी ग्रामीणों के समस्या का समाधान करने में लगे हुए हैं और आगे भी ग्रामीणों का समस्या का समाधान होते रहेगा इसलिए तो कहते हैं हेमंत है तो हिम्मत है

मौके पर वीडियो साहब. सीओ साहब. पंचायत के मुखिया. झामुमो के केंद्रीय सदस्य 20 सूत्री सदस्य फिरोज अली सहित अन्य उपस्थित थे।

खल्ली छुअन अर्थात पठन-पाठन की प्रक्रिया अब हो चली है विलुप्त

आचार्य अनन्त पाठक ने इस परम्परा को अब भी रखा है जीवित

ज्योति पाठक

शिक्षा अर्थात पठन-पाठन का सर्वोत्तम साधन या यूँ कहें बच्चों को शिक्षा के ज्ञान से रूबरू कराने का प्रथम प्रयास इसके लिए सर्वप्रथम भगवान के समक्ष सद्बुद्धि और गुण के लिए पूजा अर्चना करने के साथ-साथ बच्चों को शिक्षा प्रारंभ करने के लिए विधिवत पूजा अर्चना कर बच्चे को शिक्षित और शिक्षा के बीच खड़ा करने का दायित्व काफी महत्वपूर्ण है। इस क्रम में भगवान गणेश के समक्ष यह शुभ कार्य प्रारंभ हो तो इसे यह सोने पे सुहागा माना जाता है। स्थानीय मुनी बाबा धर्मशाला में आयोजित भगवान गणेश पूजा के दौरान प्रकाण्ड विद्वान और आचार्य अनन्त कुमार

पाठक ने बच्चों को शिक्षा और संस्कार के मजबुत आधार रखते हुए वर्तमान समय में जिसे हम खल्ली छुआना कहते हैं उसे पूर्ण करा रहे थे तब इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी क्योंकि वर्तमान समय में बच्चों को पढ़ाई के लिए सर्वप्रथम विधि और प्रक्रिया खल्ली छुआना ही होता है तत्पश्चात बच्चे प्रारंभिक पढ़ाई की शुरूआत करते हैं।

ऐसे आयोजन से और अधिक खिलाड़ी उभर कर सामने आएंगे : विपिन पंकज

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर प्रखंड मैदान में स्कूली शिक्षा एव साक्षरता विभाग झारखंड सरकार समर्ग शिक्षा अंतर्गत खेलो झारखंड 2024-25 का अयोजन हुआ जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में प्रखण्ड प्रमुख विपिन पंकज मिंज विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू मोहम्मद वहीद उपस्थित हुए। इस खेल में मुख्य प्रतियोगिता एथलेटिक्स, कबड्डी, बॉलीबॉल तीरंदाज फुटबाल हॉकी अयोजन किया गया है। मौके पर प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह का आयोजन से और अधिक खिलाड़ी उभर के सामने आएंगे। देश दुनिया मे परचम लहरायेंगे। सिमडेगा का नाम रौशन करेंगे। राज?य सरकार खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा निखारने के साथ साथ नौकरी देने का काम कर रहे है। खिलाड़ियों को पूरा सम्मान देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा में लगातार निखार लाएं। आप बेहतर खिलाड़ी है तो आपको आसानी से नौकरी मिल जाएगी। झारखंड सरकार ग्रामीण क्षेत्र के खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।विद्यार्थी जीवन में तो शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी विशेष महत्व है। पढाई एवं खेल खेलते समय लक्ष्य निर्धारण व एकाग्रता का होना अत्यंत आवश्यक है। विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू ने कहा कि लक्ष्य निश्चित हो तो सफलता भी निश्चित है। खेल-खेलने से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम

नागरिकों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निवारण हेतु झारखण्ड पुलिस की पहल

कार्यक्रम के उद्देश्य

- नागरिकों के पुलिस से संबंधित शिकायतों को प्राप्त करना एवं उक्त शिकायतों का पंजीकरण किया जाना।
- शिकायतों पर पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई की सूचना शिकायतकर्ता को प्रेषित करना।
- निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में वरीय पदाधिकारियों के संज्ञान में विषय को प्रेषित किया जाना।
- कार्रवाई योग्य शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी निवारण करना।
- जिन शिकायतों पर कार्रवाई संभव नहीं है, उनकी भी जानकारी शिकायतकर्ता को उपलब्ध करना।
- पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को इन कार्यक्रमों के दौरान प्रदर्शित करना।
- नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करना।

आज, 10 सितंबर के दिन नजदीकी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में जाकर अपनी समस्या का समाधान जरूर करवायें

PR-335211(IPRD)24-25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार